बापू की बातें

जो डर के मारे हिंसा नहीं करता, वह तो वास्तव में हिंसा कर ही चुका। बिल्ली के साथ चूहे का व्यवहार अहिंसा का व्यवहार नहीं है। उसका मन तो निरंतर बिल्ली के साथ हिंसा करता रहता है। निर्बल होने के कारण वह बिल्ली को मार नहीं सकता। हिंसा करने की पूरी सामर्थ्य रखते हुए भी जो हिंसा नहीं करता, वही अहिंसा के धर्म का पालन करने की शक्ति से सम्पन्न है।

(09.08.1925 : नवजीवन में प्रकाशित लेख 'अहिंसा की समस्या' का अंश : सं.गां.वां. खंड 28 : पृष्ठ 52)

दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K

RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-180 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) मंगलवार 25 अगस्त 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

कश्मीरी पडितों को फिर से आतंकी धमकी, एक चिट्ठी में निजी जानकारी सार्वजनिक की गई

-कथित संयुक्त मुक्ति परिषद के नाम से जारी पत्र की सुरक्षा एजेंसियां कर रहीं जांच; प्रधानमंत्री पैकेज के कर्मचारियों ने मांगी अतिरिक्त सुरक्षा

श्रीनगर, (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में कश्मीरी पंडित समुदाय को कथित तौर पर धमकी देने वाला एक और पत्र सामाजिक माध्यमों पर सामने आने के बाद सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। यह पत्र ऐसे समय सामने आया है, जब करीब दो सप्ताह पहले भी कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को निशाना बनाकर इसी तरह का एक धमकी भरा पत्र प्रसारित हुआ था। सुरक्षा एजेंसियां नए पत्र की सत्यता और इसके स्रोत की जांच कर रही हैं। अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कथित रूप से संयुक्त मुक्ति परिषद के नाम से जारी नए पत्र में जम्मू में रहने वाले करीब आधा दर्जन कश्मीरी पंडितों के नाम और निजी जानकारियां शामिल होने का दावा किया गया है। पत्र में उनके आवासीय क्षेत्र और वाहनों से संबंधित जानकारी का भी उल्लेख है। पत्र में इन लोगों पर दिल्ली में बैठे अपने कथित आकाओं के लिए काम करने का आरोप लगाया गया है और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने की धमकी दी गई है।कश्मीरी पंडित समुदाय के लिए यह एक महीने के भीतर सामने आया दूसरा ऐसा मामला है। इससे पहले अगस्त में सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित एक कथित पत्र में कश्मीर घाटी में प्रधानमंत्री पैकेज के तहत कार्यरत कश्मीरी पंडित कर्मचारियों के नाम और संपर्क संबंधी जानकारी साझा की गई थी। उस मामले के बाद प्रशासन ने एहतियात के तौर पर कर्मचारियों को कुछ समय तक घर से काम करने और सतर्क रहने की सलाह दी थी।ताजा पत्र में इस बार ऐसे कश्मीरी पंडितों को भी निशाना बनाए जाने की बात सामने आई है, जो 1990 के दशक में आतंकवाद के कारण घाटी छोड़कर जम्मू तथा देश के अन्य हिस्सों में चले गए थे। रिपोर्टों के अनुसार, पत्र में घाटी में रह गए कश्मीरी पंडितों और बाहर चले गए लोगों के बीच अंतर करने वाली भाषा का इस्तेमाल किया गया है।नए धमकी पत्र में कथित रूप से नाम, पते और वाहनों से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक किए जाने से सुरक्षा एजेंसियों के सामने यह सवाल भी खड़ा हो गया है कि इतनी संवेदनशील जानकारी धमकी देने वालों तक कैसे पहुंची। सुरक्षा एजेंसियां पत्र की वास्तविकता की जांच के साथ-साथ इसके प्रसार के स्रोत का पता लगाने का प्रयास कर रही हैं।

कश्मीरी पंडित समुदाय के प्रतिनिधियों ने कहा है कि इस तरह की धमकियों से घाटी में रहने वाले लोगों, विशेषकर महिलाओं और परिवारों में भय तथा मानसिक तनाव बढ़ रहा है।

मोदी-ट्रंप की प्रेस वार्ता में कोई सवाल नहीं चाहता था भारत, अमेरिकी राजदूत का खुलासा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने फ्रांस में त-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रेस वार्ता को लेकर नया खुलासा किया है। उन्होंने दावा किया कि भारत ने अमेरिका से अनुरोध किया था कि इस दौरान मीडियाकर्मियों को प्रश्न पूछने की अनुमति न दी जाए। गोर ने कहा कि भारतीय विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी अधिकारियों को बताया था कि नेता मीडिया को संबोधित कर सकते हैं, लेकिन सवाल-जवाब नहीं होना चाहिए। गोर ने कहा, हम पर्दे के पीछे थे। वहां सिर्फ राष्ट्रपति ट्रंप और मैं था।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में मोल्दोवा की राजदूत इंगा इओनेसी से परिचय पत्र प्राप्त किया।

7 साल बाद भारत आएंगे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, BRICS समिट में 400 अधिकारियों के साथ लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली (ए)। भारत और चीन के बीच लंबे समय से जारी तनाव के बीच एक बड़ी कूटनीतिक खबर सामने आई है। सात साल के बड़े अंतराल के बाद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक बार फिर भारत दौरे पर आ रहे हैं। सूत्रों के हवाले से मिली पुख्ता जानकारी के मुताबिक, शी जिनपिंग अगले महीने नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स (BRICS) शिखर सम्मेलन में शिरकत करेंगे। साल 2020 में हुई हिंसक सीमा झड़प के बाद से दोनों देशों के रिश्तों में आई भयंकर कड़वाहट के बीच इस उच्च स्तरीय दौरे को द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के एक नए संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

400 अधिकारियों का होगा जंबो प्रतिनिधिमंडल

इस अहम दौरे के लिए चीन की तरफ से बड़े पैमाने पर तैयारियां की जा रही हैं। बताया जा रहा है कि शी जिनपिंग के साथ लगभग 400 अधिकारियों का एक विशाल प्रतिनिधिमंडल भारत आएगा। इससे पहले साल 2019 में जब शी भारत आए थे, तब उनके साथ 200 से भी कम अधिकारी मौजूद थे।

दिल्ली-एनसीआर में एच1एन1 का बढ़ता प्रकोप, आधे से अधिक घरों में एक सदस्य बीमार

-सर्वे में 32 हजार लोगों से ली गई जानकारी; अस्पतालों में बढ़ाई गई निगरानी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में इन दिनों जुकाम, खांसी और इन्फ्लुएंजा जैसे लक्षण तेजी से फैल रहे हैं। हाल ही में किए गए एक सर्वेक्षण में सामने आया है कि क्षेत्र के आधे से अधिक घरों में कम से कम एक सदस्य बीमारी की चपेट में है। दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद और गाजियाबाद में करीब 32 हजार लोगों पर किए गए सर्वेक्षण के अनुसार, 23 प्रतिशत लोगों ने बताया कि उनके घर में चार या उससे अधिक सदस्य अस्वस्थ हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, घरों के भीतर एक से अधिक लोगों के बीमार होने से संक्रमण के पारिवारिक स्तर पर फैलने की आशंका बढ़ गई है। यह स्थिति ऐसे समय सामने आई है, जब एच1एन1 संक्रमण के मामलों में भी वृद्धि दर्ज की जा रही है।

दिल्ली में 20 अगस्त को इन्फ्लुएंजा के 159 नए मामले सामने आए। इनमें 114 मामले एच1एन1 संक्रमण के थे। इसके साथ ही इस वर्ष अब तक दिल्ली में स्वाइन फ्लू के कुल 1,777 मामले सामने आ चुके हैं।

हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। अभी तक सामने आए मामलों में किसी मरीज को गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती करने या कृत्रिम श्वसन यंत्र की आवश्यकता नहीं पड़ी है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के अनुसार, वर्तमान संक्रमण किसी नए विषाणु रूप के कारण नहीं है।

अमरावती के जिला महिला अस्पताल में भीषण आग, तीन नवजात शिशुओं की मौत

-नवजात गहन चिकित्सा कक्ष में 39 बच्चों का चल रहा था उपचार, छह शिशुओं को दूसरे अस्पताल में कराया गया भर्ती

अमरावती (आरएनएस)। महाराष्ट्र के अमरावती स्थित जिला महिला अस्पताल में सोमवार तड़के हुए भीषण अग्निकांड में तीन नवजात शिशुओं की झुलसने से मौत हो गई। हादसे के समय अस्पताल की तीसरी मंजिल पर स्थित नवजात गहन चिकित्सा कक्ष में 39 बच्चों का उपचार चल रहा था। आग लगते ही चिकित्सकों, परिचारिकाओं और अस्पताल कर्मचारियों ने तत्काल बचाव कार्य शुरू कर कई नवजात शिशुओं को सुरक्षित बाहर निकाला। प्रारंभिक जांच के अनुसार, सुबह करीब सवा तीन बजे नवजात गहन चिकित्सा कक्ष में लगे एक जीवनरक्षक उपकरण में धमाके के बाद आग लगी। इसके बाद आग और धुएं ने पूरे कक्ष को अपनी चपेट में ले लिया। आग की चपेट में आने से तीन नवजात शिशुओं की मौत हो गई, जबकि छह अन्य बच्चों को उपचार के लिए सुपर विशेषता अस्पताल में स्थानांतरित किया गया।

आग इतनी भीषण थी कि नवजात गहन चिकित्सा कक्ष में रखी जीवनरक्षक मशीनें, चिकित्सा उपकरण और अन्य सामान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गए। आग लगने के बाद अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि चिकित्सकों और कर्मचारियों की तत्परता से कई बच्चों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

राज्य सरकार हमेशा श्रमिकों के साथ : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

राखी से पहले हजारों श्रमिकों के लिए उमंग और उल्लास लेकर आई संबल योजना की राशि प्रदेश के 9149 संबल हितग्राहियों को मिली 203 करोड़ रुपए अनुग्रह सहायता

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि श्रमिकों की सेवा, कल्याण और खुशी हमारे लिए सबसे पहले है। हमारे श्रमिक अपने खून-पसीने से विकसित मध्यप्रदेश की नींव तैयार कर एक-एक ईंट जोड़ रहे हैं। हर परिस्थिति में श्रमिकों की कठिनाई को दूर करना सरकार का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि श्रमिक परिवारों पर विपत्ति आने, घर चलाने वाले के असामयिक निधन, अचानक आर्थिक संकट आने पर लोग साथ छोड़ दें, परंतु हमारी सरकार कभी आपका साथ नहीं छोड़ेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री संबल योजना 2.0 मुश्किल समय में श्रमिकों को आर्थिक सहारा भी देती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मुख्यमंत्री निवास से प्रदेश के श्रमिक बंधुओं को वीडियो कान्फ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रक्षाबंधन से पहले श्रावण के अंतिम सोमवार को श्रम विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) 2.0 योजना के तहत दी जाने वाली अनुग्रह सहायता राशि की 11वीं किश्त के रूप में 203 करोड़ रुपये की सहायता राशि सिंगल क्लिक से पात्र हितग्राहियों के खातों में अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज प्रदेश के 9 हज़ार 149 संबल हितग्राहियों को मिली यह राशि इन सभी परिवारों में आनंद लेकर आई है। उन्होंने कहा कि संबल योजना ने प्रदेश के 1 करोड़ 84 लाख से अधिक श्रमिकों को सहारा दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कठिन समय में जब सभी रास्ते बंद होंगे, तब भी सरकार उनके साथ खड़ी है। यह राशि दु:ख की घड़ी में बड़ी राहत लेकर आती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगर जेब में पैसे हों, तो अनेक विपत्तियों का सामना करने की हिम्मत भी आ जाती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पिछला बैकलॉग खत्म करते हुए निर्बाध रूप से श्रम सहित सभी विभागीय योजनाओं के हितग्राहियों को सहायता राशि उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिलों से वीसी से जुड़े श्रमिक हितग्राहियों को श्रावण सोमवार और आने वाले रक्षाबंधन पर्व की मंगलकामनाएं दी।

जंतर-मंतर पर फिर गूंजेगी छात्रों की आवाज, CJP ने 5 सितंबर को दिल्ली में बड़े मार्च का किया ऐलान

नई दिल्ली(ए)। NEET परीक्षा विवाद और छात्रों की मांगों को लेकर एक महीने से अधिक समय तक जंतर-मंतर पर डेरा डालने वाली कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) एक बार फिर आर-पार की लड़ाई के मूड में है। सरकार पर वादे से मुकरने का गंभीर आरोप लगाते हुए सीजेपी ने 5 सितंबर को राजधानी दिल्ली में एक विशाल और शांतिपूर्ण विरोध मार्च निकालने का बड़ा ऐलान किया है। पार्टी का स्पष्ट कहना है कि छात्रों और युवाओं ने सरकार के आश्वासन पर भरोसा कर 25 जुलाई को अपना देशव्यापी आंदोलन वापस लिया था, लेकिन एक महीना बीत जाने के बाद भी उनकी मुख्य मांगें पूरी नहीं की गई हैं। सीजेपी के सह संयोजक सौरव दास द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, आगामी 5 सितंबर को यह शांतिपूर्ण मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक जाएगा। इस मार्च की अगुवाई NEET परीक्षा से जुड़े मामलों में अपनी जान गंवाने वाले छात्रों और पुलिस की कथित बर्बरता का शिकार हुए लोगों के परिवार वाले करेंगे। उम्मीद जताई जा रही है कि इस बड़े प्रदर्शन में देशभर से भारी संख्या में छात्र, युवा संगठन और आम नागरिक हिस्सा लेंगे।

सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह और उनके परिवार द्वारा महारुद्राभिषेक का आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। बीते अनेक वर्षों की तरह सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह व उनके परिवार द्वारा आयोजित महारूद्राभिषेक आयोजन इस बार साई कृष्णा रिसोर्ट में आचार्य पं सोमेश परसाई और उनके शिष्य मंडली के आचार्यत्व में आयोजित हुआ। विधि विधान से पूजन अर्चन महारूद्राभिषेक भस्म आरती के साथ ही महाआरती की गई। इस धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। जिसमें सोहागपुर विधानसभा से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु आए। बुदनी, सिवनी मालवा, सहित जिले भर के श्रद्धालु हर वर्ष शामिल होते हैं।

जंगल में नाबालिग छात्रा से गैंगरेप

नर्मदापुरम (आरएनएस)। पचमढ़ी में नाबालिग छात्रा (17) से गैंगरेप का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक स्थानीय जिप्सी चालक और होटल में काम करने वाले दो युवकों को हिरासत में लिया है। आरोपियों पर पीड़िता के दोस्त को बंधक बनाकर वारदात को अंजाम देने का आरोप है।पुलिस के अनुसार, पीड़िता पचमढ़ी में पढ़ाई करती है। 19 अगस्त की दोपहर करीब 2 बजे उसका एक स्कूल फ्रेंड उससे मिलने पचमढ़ी आया था। बस स्टैंड पर उसकी मुलाकात जिप्सी ड्राइवर हरिओम से हुई। उस समय हरिओम के साथ पवन बंसल और अभिषेक वंशकार भी मौजूद थे। इसके बाद सभी हरिओम की जिप्सी से घूमने निकले।आरोपी उन्हें दक्षिण स्काउट गाइड के पास स्थित जंगल में ले गए। वहां दोनों को डराया-धमकाया और विरोध करने पर छात्रा के दोस्त को जिप्सी से बांध दिया। इसके बाद छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। वारदात के बाद दोनों को वापस बस स्टैंड पर छोड़ दिया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद डरी हुई पीड़िता घर लौट आई और स्कूल जाना बंद कर दिया। बड़ी बहन ने स्कूल न जाने का कारण पूछा तो पीड़िता ने उसे पूरी घटना बताई। इसके बाद रविवार रात वह परिजन के साथ पचमढ़ी थाने पहुंची।

मध्य प्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम, भारी बारिश का अलर्ट जारी, अगले तीन दिन तक रहेगा असर

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश में मानसून सिस्टम एक बार फिर सक्रिय है। मानसून ट्रफ, चक्रवाती परिसंचरण और निम्न दबाव क्षेत्र के प्रभाव से प्रदेश के पूर्वी हिस्से में बारिश का दौर तेज हो गया है। अगले 24 घंटे में डिंडौरी और बालाघाट में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। यहां 4 से 8 इंच तक बारिश होने का अनुमान है। प्रदेश में अगले तीन दिन तक तेज बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है।मौसम विभाग के मुताबिक विदिशा, सागर, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, नरसिंहपुर, दमोह, सिवनी, जबलपुर, मंडला, कटनी, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, रीवा, मऊगंज, सीधी और छतरपुर में भारी बारिश का अलर्ट है। वहीं, भोपाल समेत प्रदेश के कई अन्य जिलों में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है।

दैनिक क्षितिज ✌ किरण

आवश्यकता है

नर्मदापुरम (होशंगाबाद) जिले में

संवाददाता एवं विज्ञापन प्रतिनिधि की

योग्यता

स्थानीय स्तर पर कार्य करने का अवसर

समाज से जुड़े, पहचान बनाएं

जुड़ें और बनें अपने क्षेत्र की आवाज हमारे साथ

संपर्क करें 9425025999 एवं 9098362770

संपर्क करने का समय | सुबह 9.00 बजे से 12.00 बजे तक | शाम 6.00 बजे से 8.00 बजे तक

किसानों को सुविधा सम्पन्न बनाना ही हमारा लक्ष्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीसी से दतिया में हुए बलराम कृषि महोत्सव में की सहभागिता

भोपाल (निप्र) । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अन्नदाता किसानों की भलाई के लिये इनके खेत-खलिहानों और घर आंगन में समृद्धि लाने के लिए राज्य सरकार हरसंभव कोशिश कर रही है। किसानों का कल्याण कर सुविधा सम्पन्न बनाने के लक्ष्य की पूर्ति के लिए मिशन मोड में काम कर रहे है। बलराम कृषि महोत्सव इसी दिशा में किया जा रहा सरकार का एक सार्थक प्रयास है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मुख्यमंत्री निवास से दतिया जिले में हुए बलराम कृषि महोत्सव को वीडियो कान्फ्रेसिंग से संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सावन का अंतिम सोमवार है। भगवान महाकाल से प्रार्थना है कि प्रदेश के सभी किसानों के घर-भण्डार अन्न से भरे रहें, बाबा महाकाल सभी का कल्याण करे एवं सभी के घरों में समृद्धि की सौगात दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दतिया जिला 2 वस्तुओं के लिए सबसे अधिक जाना जाता है। पहला पीतांबरा माई का प्रसाद, जो पूरे देश भर में प्रसिद्ध हैं और दूसरा दतिया का गुड़, जो एक जिला- एक उत्पाद के तहत शामिल है। मध्यप्रदेश के किसान की भी पहचान दूर-दूर तक हो, इसके लिए सरकार हर संभव प्रयास कर किसानों के हित में अनेक योजनायें संचालित कर रही है। इस वर्ष 104 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उत्पादन हुआ। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में गेंहूं 2700 रुपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जाएगा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के साथ-साथ दतिया जिले का किसान भी आने वाले समय में खेती-किसानी के माध्यम से खूब आगे बढ़ेगा। आज धान की पैदावार में 32 क्विंटल से बढ़कर 36 क्विंटल प्रति हैक्टेयर बढोत्तरी हुई है। मूंगफली और गेहूं का रकबा भी बढ़ा है। आने वाले समय में गेहूं और चने की

फसल के लिए अब रात के साथ साथ दिन में भी किसानों को बिजली उपलब्ध करवाई जाएगी। अब किसान खाद-बीज की जरूरत के लिए लेने वाले ऋण को जून-जुलाई में जीरो पर्सेंट ब्याज पर जमा कर सकते हैं। पहले यह 31 मार्च तक जमा कराना होता था, किसानों के हित में हमने 31 मार्च तक ऋण राशि को जमा कराने के बंधन समाप्त कर दिया है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज का समय बदल रहा है। किसान उन्नति कर रहा है। उन्होंने सभी किसानों से कहा कि वे उन्नत कृषि तकनीक अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ाएं एवं जितना अधिक हो सके स्वावलंबी बनें। बच्चों के शादी, ब्याह पर कम से कर्म खर्च करें। साथ ही अपने बच्चों को अधिक से अधिक पढ़ाए लिखाएं और आगे बढ़ाएं। उन्होंने सभी किसानों से अपील करते हुए कहा कि जिले का कोई भी किसान अपनी खेती की जमीन न बेचे। आने वाले समय में खेती-किसानी का वक्त बदलने वाला है। अब यह एक लाभ का व्यवसाय बनता रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने हेतु कृषि के साथ-साथ पशुपालन, दुग्ध उत्पादन एवं उद्यानिकी को बढ़ावा दे रही है। आने वाले समय में दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश ऊंचाईयों को छूएगा। डॉ. भीमराव अम्बडेकर कामधेनु योजना अन्तर्गत गौपालन को प्रोत्साहन मिल रहा है। इसके अन्तर्गत पांच हजार निराश्रित गौवंश रखा जायेगा।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दतिया जिले ग्राम बड़ेरा निवासी एमएससी (एग्रीकल्चर) की पढ़ाई कर रहे युवा किसान श्री हरिमोहन राजपूत से वीसी से संवाद कर उसकी खेती-किसानी की जानकारी ली। श्री हरिमोहन ने बताया कि उसने गन्ने की फसल ली है, पैदावार अच्छी हुई है। मुख्यमंत्री ने अन्य किसानों से भी संवाद किया। कार्यक्रम के दौरान जिले के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सम्मानित भी किया गया।

उन्नत तकनीक एवं आधुनिक कृषि यंत्र का प्रर्दशन

बलराम कृषि महोत्सव में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, कृषि यंत्रों तथा खेती की नवीन पद्धतियों से अवगत कराने के उद्देश्य से कृषि प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में लगभग 16 स्टॉल लगाए गए, जहां विशेषज्ञों के जरिए किसानों को कृषि क्षेत्र में उपयोगी नवीन तकनीकों एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। प्रदर्शनी में रीपर कम बाइंडर, डीएसआर मशीन, हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, स्मार्ट सीडर, स्ट्रॉ रीपर, थ्रेशर, लेजर लैंड लेवलर, सीड-कम-फर्टिलाइजर ड्रिल, रोटोकल्टीवेटर, रोटावेटर, पावर स्प्रेयर एवं प्लाऊ सहित अन्य आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रदर्शन किया गया।

मध्य प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में तीन दिन मनेगी जन्माष्टमी, एक सितंबर से होंगे विशेष आयोजन

भोपाल, (आरएनएस.)। मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में इस वर्ष श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व तीन दिन तक सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों के साथ मनाया जाएगा। लोक शिक्षण संचालनालय ने प्रदेश के सभी जिलों के लिए दिशा-निर्देश जारी करते हुए 1 से 3 सितंबर तक विशेष कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य पर्व 4 सितंबर को मनाया जाएगा और इस दिन स्कूलों में अवकाश रहेगानिर्देशों के अनुसार तीन दिवसीय आयोजन के दौरान विद्यार्थियों के लिए भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, व्यक्तित्व और आदर्शों पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें कृष्ण लीला का मंचन, नाटक, नृत्य और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल होंगी। विद्यार्थियों को श्रीमद्भगवद्गीता के ज्ञान और श्रीकृष्ण के जीवन मूल्यों से परिचित कराने के लिए विशेष सत्र भी आयोजित किए जाएंगे।स्कूलों में भाषण और निबंध प्रतियोगिताओं के साथ भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े सामाजिक एवं सांस्कृतिक पहलुओं पर व्याख्यान भी होंगे। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और नैतिक मूल्यों से जोड़ना बताया गया है।

सांदीपनि विद्यालयों में गुरु-शिष्य परंपरा पर आयोजन

प्रदेश के सांदीपनि विद्यालयों में जन्माष्टमी के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन विद्यालयों में गुरु-शिष्य परंपरा पर केंद्रित व्याख्यान और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। विशेषज्ञों के माध्यम

से भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े सामाजिक और सांस्कृतिक पक्षों पर विद्यार्थियों को जानकारी दी जाएगी।लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी जिलों को स्कूलों में जन्माष्टमी के आयोजन के संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। पिछले कुछ वर्षों से प्रदेश के सरकारी स्कूलों में जन्माष्टमी को विशेष रूप से सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से मनाया जा रहा है।इस वर्ष श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का मुख्य पर्व चार सितंबर को मनाया जाएगा। पर्व के दिन विद्यालयों में अवकाश रहेगा, जबकि एक से तीन सितंबर तक विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए विद्यार्थियों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनके आदर्शों से परिचित कराया जाएगा।

धार्मिक स्थलों में चोरी की घटनाओं पर मध्यप्रदेश पुलिस की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई

पांढुर्णा, छतरपुर, धार और बड़वानी में पुलिस ने चोरी की घटनाओं का किया खुलासा

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए चोरी की घटनाओं के त्वरित खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। धार्मिक स्थलों से जुड़ी घटनाएं संवेदनशील होने के कारण पुलिस द्वारा ऐसे मामलों में तकनीकी एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, फिंगरप्रिंट, डॉग स्क्वाड एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपियों तक पहुंच बनाई जा रही है। विगत दिनों पांढुर्णा, छतरपुर, धार एवं बड़वानी जिलों में पुलिस ने धार्मिक स्थलों में हुई चोरी की घटनाओं का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा चोरी गई धार्मिक प्रतिमाओं, आभूषणों एवं अन्य सामग्री जब्त की है। जिला पांढुर्णा के सौंसर थाना क्षेत्र में जैन मंदिर, सहस्त्रबाहु मंदिर एवं भवानी माता मंदिर में हुई चोरी की घटनाओं का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक श्री प्रकाशचंद्र परिहार के मार्गदर्शन में गठित टीम ने घटनास्थल से प्राप्त भौतिक एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी विश्लेषण, फिंगरप्रिंट, डॉग स्क्वाड एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपियों की पहचान की। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से भगवान पारसनाथ की 4 प्रतिमाओं सहित महावीर, आदिनाथ, नेमीनाथ, चौबीस तीर्थंकर एवं बाहुबली भगवान की प्रतिमाएं, अष्टधातु की धार्मिक प्रतिमाएं, चरण पादुका, मंदिर की घंटियां, मुकुट, दानपेटियां एवं दानपेटियों में रखी लगभग 56 हजार 849 रुपये की नगदी जब्त की। वारदात में प्रयुक्त मोटर साइकिल एवं मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। कार्रवाई के बाद सकल जैन समाज द्वारा पुलिस अधिकारियों का सम्मान कर आभार व्यक्त किया गया।

अंडकोष काटकर की गई थी बेटे की हत्या, रोती मां के चेहरे पर पुलिस ने लौटाई मुस्कान, रेहान का सपना किया पूरा

बेटे का मां के लिए बत्तीसी बनवाने का सपना पुलिस ने अपने खर्च पर पूरा करने की पहल की

भोपाल(ए.)। । जिस मां के लिए 14 साल का रेहान अपनी छोटी-छोटी जरूरतें छोड़कर पैसे जोड़ना चाहता था, आज वही मां उसकी तस्वीर को देखकर दिन काट रही है। करीब दस साल पहले पति का साथ छूट गया था। इसके बाद रेहान ही मां रानी शाह का सहारा बन गया था। गरीबी के बीच भी बेटे का एक सपना था—ज्यादा मेहनत करके रुपये कमाना और मां के लिए बत्तीसी बनवाना, ताकि वह बिना तकलीफ के खाना खा सके।लेकिन एक मोड़ पर वह साथ छोड़कर चला गया।

रेहान अब लौटकर नहीं आएगा। लेकिन उसका यह सपना भी अधूरा न रह जाए, इसके लिए पुलिस ने उसे अपनी जिम्मेदारी बना लिया है। रेहान हत्याकांड की जांच कर रहे कोतवाली एसीपी संतोष पटेल ने अब अपने खर्च पर रानी शाह की बत्तीसी बनवाने का फैसला किया है। इतना ही नहीं, बेटे की हत्या के बाद परिवार के सामने खड़े खाने के संकट को देखते हुए पुलिस ने उनके घर राशन भी पहुंचाया।

रक्षाबंधन त्यौहार को लेकर खाद्य विभाग की कार्रवाई, 150 किलो मावा और 166 किलो मिल्क केक जब्त

- भोपाल के आईएसबीटी और नादरा बस स्टैंड पर हुई जांच

भोपाल, (ए.)। रक्षाबंधन और आगामी त्योहारों को देखते हुए मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने मिलावटी और संदिग्ध खाद्य सामग्री के खिलाफ जांच अभियान तेज कर दिया है। सोमवार को विभाग की टीम ने आईएसबीटी और नादरा बस स्टैंड पर बाहर से बसों के जरिए भोपाल लाई जा रही खाद्य सामग्री की जांच की। इस दौरान गुणवत्ता को लेकर संदेह होने पर 150 किलो मावा और 166 किलो मिल्क केक जब्त किया गया।

दोनों खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 और संबंधित नियमों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी।नादरा बस स्टैंड पर जांच के दौरान नागपुर के रास्ते भोपाल लाई गई मावा और मिल्क केक की खेप मिली। इसमें 150 किलो मावा की अनुमानित कीमत 45 हजार रुपए बताई गई है। इसकी बुकिंग

भोपाल की अरीहंत डेयरी के नाम से की गई थी। इसी तरह 166 किलो मिल्क केक की कीमत करीब 33 हजार रुपए आंकी गई है। यह खेप सब्जी मंडी क्षेत्र स्थित लवली स्वीट्स के नाम से बुक थी। दोनों खेपों की कुल अनुमानित कीमत करीब 78 हजार रुपए है।

खाद्य विभाग की टीम ने जब्त मावा और मिल्क केक के नमूने लेकर उन्हें जांच के लिए लैब भेज दिया है। अधिकारियों के मुताबिक, प्रयोगशाला से रिपोर्ट मिलने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि खाद्य सामग्री निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरी उतरती है या नहीं। रिपोर्ट के आधार पर संबंधित फर्म के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बस स्टैंड से रेलवे स्टेशन तक निगरानी

त्योहारों के दौरान भोपाल में बाहर से आने वाले दुग्ध उत्पादों और मिठाइयों की बड़ी मात्रा को देखते हुए खाद्य विभाग ने निगरानी बढ़ा दी है। विभाग की टीमें हलालपुरा, आईएसबीटी और नादरा बस स्टैंड के अलावा भोपाल, बैरागढ़, निशातपुरा और रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर भी खाद्य सामग्री की जांच कर रही हैं।अधिकारियों के अनुसार रक्षाबंधन और इसके बाद आने वाले त्योहारों को देखते हुए मावा, मिल्क केक, मिठाई, घी, पनीर और अन्य दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता पर विशेष नजर रखी जा रही है। बाहर से भोपाल लाई जाने वाली खाद्य सामग्री की जांच आगे भी जारी रहेगी।

भोपाल में शिक्षक भर्ती में पदवृद्धि की मांग पर धरना

4 दिन से निर्जल अनशन पर बैठे अभ्यर्थी की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल जाने से इनकार

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश में वर्ग-2 माध्यमिक और वर्ग-3 प्राथमिक शिक्षक भर्ती-2025 में पदवृद्धि की मांग को लेकर भोपाल के

नीलम पार्क में चल रहा अनिश्चितकालीन धरना गंभीर स्थिति में पहुंच गया है। आंदोलनकारी अभ्यर्थियों के अनुसार ब्यावरा निवासी नरेंद्र राजपूत पिछले चार दिनों से निर्जल अनशन पर बैठे हैं।सोमवार रात करीब 3 बजे अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें लगातार चक्कर और कमजोरी की शिकायत हो रही है। धरना स्थल पर मौजूद अभ्यर्थियों ने प्रशासन को इसकी सूचना दी। आंदोलनकारियों के मुताबिक पुलिस प्रशासन पहले भी नरेंद्र को अस्पताल ले जाने का प्रयास कर चुका है, लेकिन उन्होंने अस्पताल जाने से इनकार कर दिया।नरेंद्र राजपूत का कहना है कि जब तक सरकार पदवृद्धि की मांग को लेकर कोई ठोस आदेश जारी नहीं करती, तब तक वे धरना स्थल से नहीं हटेंगे। उनका कहना है कि यदि प्रशासन को उनके स्वास्थ्य की चिंता है तो धरना स्थल पर ही डॉक्टरों की टीम भेजकर स्वास्थ्य जांच कराई जाए।आंदोलनकारियों के अनुसार लगातार चार दिन से खाना और पानी नहीं लेने के कारण नरेंद्र की हालत कमजोर होती जा रही है।

भोपाल में 10 नई ई-बसें सड़कों पर उतरीं, कुल संख्या 30 हुई; तीन प्रमुख मार्गों पर बढ़ी सुविधा

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सोमवार से 10 और इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू कर दिया गया। नई बसों के सड़कों पर उतरने के साथ शहर में ई-बसों की संख्या बढ़कर 30 हो गई है। अधिकारियों के मुताबिक निर्धारित स्टॉप पर यात्रियों को अब करीब 10 से 15 मिनट के अंतराल में बसें उपलब्ध हो रही हैं।फिलहाल ई-बसों का संचालन तीन प्रमुख रूट पर किया जा रहा है। इन रूट के जरिए कोलार रोड, बावड़ियाकलां, बैरागढ़, एमपी नगर और आईएसबीटी समेत शहर के बड़े हिस्से को जोड़ा गया है। सभी रूट एमपी नगर से होकर गुजरते हैं। इससे नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों और रोजाना शहर में आवागमन करने वाले यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है।

न्यूनतम किराया 6-7, अधिकतम 40 रुपए

ई-बसों के रूट में बैरागढ़, कोलार रोड, एमपी नगर, न्यू मार्केट, बावड़ियाकलां, सलैया, रोहित नगर, अशोका गार्डन, सुभाषनगर, कोहेफिजा और पीर गेट जैसे प्रमुख इलाके शामिल हैं। बसों का न्यूनतम किराया करीब 6 से 7 रुपए, जबकि रूट के अनुसार अधिकतम किराया 40 रुपए तक है।

रोज 10 से 12 हजार यात्री कर रहे सफर

शहर में ई-बसों का बेड़ा बढ़ने के साथ इनका इस्तेमाल करने वाले यात्रियों की संख्या भी बढ़ रही है। पिछले सप्ताह 10 नई बसों के संचालन के बाद ई-बसों की संख्या 20 हुई थी। अब 10 और बसें शामिल होने से कुल संख्या 30 हो गई है। वर्तमान में रोजाना करीब 10 से 12 हजार यात्री ई-बसों से सफर कर रहे हैं।

तीन रूट पर संचालन

फिलहाल ई-बसों का संचालन शहर के तीन प्रमुख रूट पर किया जा रहा है। इन रूट के माध्यम से शहर के पश्चिमी, मध्य और दक्षिणी हिस्सों के कई प्रमुख इलाकों को जोड़ा गया है। इससे अलग-अलग क्षेत्रों से एमपी नगर और अन्य प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों तक पहुंच आसान हुई है।

दिव्यांग यात्रियों के लिए खास सुविधा

ई-बसों की सबसे बड़ी खासियत इनमें दिव्यांग यात्रियों के लिए दी गई सुविधा है। बस में हाइड्रोलिक डोर और व्हीलचेयर/ट्राइसिकल के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध कराई गई है। हाइड्रोलिक डोर की मदद से व्हीलचेयर और ट्राइसिकल के साथ बस में चढ़ना-उतरना आसान होगा। बस के अंदर इस हिस्से में एक साथ दो व्हीलचेयर या ट्राइसिकल खड़ी करने की जगह भी बताई गई है।

छोटे आकार के कारण शहर के ट्रैफिक में उपयोगी

भोपाल की कई सड़कों और व्यस्त इलाकों को देखते हुए ई-बसों का आकार भी महत्वपूर्ण है। इन बसों की लंबाई करीब 9 मीटर और चौड़ाई लगभगसाढ़े 3 मीटर है। इसके मुकाबले मौजूदा सिटी बसों की लंबाई करीब 12 मीटर तक है। छोटे आकार के कारण ई-बसों के संकरी सड़कों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में संचालन में अपेक्षाकृत आसानी होगी। हालांकि, अधिक ट्रैफिक वाले रूट पर जाम की स्थिति में ई-बसों की रफ्तार प्रभावित हो सकती है। इसके बावजूद शहर में सार्वजनिक परिवहन के विकल्प के रूप में ई-बसों का बेड़ा बढ़ने से यात्रियों को नियमित और अपेक्षाकृत सुविधाजनक सेवा मिलने की उम्मीद है।

15 जनवरी को भोपाल में 'आर्मी डे परेड-2027' का आयोजन

भोपाल, (निप्र.)। राजधानी भोपाल में 15 जनवरी, 2027 को भव्य 'आर्मी डे परेड-2027' आयोजित की जाएगी। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय आयोजन की पूर्व तैयारियों और अंतर-विभागीय समन्वय के संबंध में सोमवार को कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में एडीएम महेंद्र कवचे एवं भारतीय सेना के अधिकारियोंकी अध्यक्षता में विशेष बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई।

बैठक में एवं सिविल इंजीनियर विशेषज्ञ भारतीय सेना पवन कुमार ने परेड मैदान को सेना के टैंक के वजन के अनुरुप भारतीय रोड कांग्रेस के मानक अनुसार बनाने के लिए पीडब्ल्यूडी, नगर निगम एवं अन्य निर्माण एजेंसियों के साथ तकनीकी मानकों की विस्तृत चर्चा की गई।बैठक में भारतीय सेना के कर्नल सुब्रत मिश्रा, कर्नल सनी जुनेजा, सम्बन्धित एसडीएम,अपर आयुक्त नगर निगम एवं अन्य सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री मिश्रा के निर्देशानुसार बैठक में बताया गया कि मध्यप्रदेश और राजधानी भोपाल के लिए आर्मी डे परेड की मेजबानी करना अत्यंत गौरव का अवसर है। यह आयोजन 'आपकी सेना आपके पास' की अवधारणा को साकार करने के साथ ही सैन्य और नागरिक तंत्र के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयोजन की गरिमा के अनुरूप सभी आवश्यक व्यवस्थाएं निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार समय-सीमा में पूर्ण की जाएं।

एग्रीस्टेक पंजीयन, पैक्स सदस्यता एवं अग्रिम उर्वरक उठाव अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें : कलेक्टर श्री मिश्रा

भोपाल (ए.)। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने सोमवार को आयोजित समय-सीमा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में 20 अगस्त से संचालित "एग्रीस्टेक पंजीयन, पैक्स सदस्यता एवं अग्रिम उर्वरक उठाव अभियान" का जिले में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अधिक से अधिक किसानों को अभियान का लाभ दिलाएं। अभियान की जिला स्तर पर एडीएम एवं जिला पंचायत सीईओ द्वारा विशेष मॉनिटरिंग की जाएगी।कलेक्टर श्री मिश्रा ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि पटवारियों के माध्यम से ग्राम पंचायतों में फार्मर आईडी की सूची चस्पा कराई जाए। साथ ही ग्राम पंचायत स्तर पर फार्मर आईडी और एग्रीस्टेक पोर्टल के माध्यम से किसानों को मिलने वाली सुविधाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने बैरसिया, हुजूर एवं कोलार अनुविभागों में विशेष अभियान चलाकर किसानों की फार्मर आईडी बनाने तथा उन्हें एग्रीस्टेक के माध्यम से उपलब्ध सुविधाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत आयोजित शिविरों में बैंकों की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाए, जिससे कृषि विभाग एवं संबंधित सहयोगी विभागों के माध्यम से किसान क्रेडिट कार्ड सहित अन्य आवश्यक क्रेडिट कार्ड मौके पर ही बनाए जा सकें।कलेक्टर श्री मिश्रा ने सहकारिता विभाग को पैक्स में नए सदस्य जोड़ने, सभी पात्र किसानों को पैक्स की सदस्यता दिलाने तथा केसीसी सेचुरेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड के साथ मत्स्य पालन, दुग्ध उत्पादन एवं अन्य संबद्ध गतिविधियों के लिए भी क्रेडिट कार्ड बनवाने तथा पात्र किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण सुविधा उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान में बैंकों को सक्रिय रूप से शामिल किया जाए, ताकि शिविर स्थलों पर किसानों को बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। ग्राम पंचायतों में ई-विकास प्रणाली का लाइव प्रदर्शन कर किसानों को टोकन जनरेट करने सहित पोर्टल पर उपलब्ध सभी सुविधाओं की जानकारी भी दी जाए। बैठक में बताया गया कि रबी वर्ष 2026-27 में उर्वरकों के संतुलित एवं विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने तथा किसानों को उनकी फसलों के लिए आवश्यक उर्वरक व्यवस्थित रूप से अग्रिम उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा प्रदेशव्यापी अभियान संचालित किया जा रहा है।

कर्मयोग का संदेश देती है श्रीमद्भगवद्गीता : परमहंस गिरीशानंद जी सरस्वती महाराज

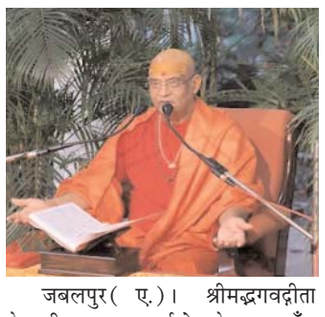

जबलपुर(ए.)। श्रीमद्भगवद्गीता के तृतीय अध्याय कर्मयोग के प्रथम पाँच श्लोकों की व्याख्या करते हुए परमहंस गिरीशानंद जी सरस्वती जी महाराज ने कहा कि मनुष्य के जीवन में कर्म से पलायन नहीं, बल्कि कर्म को भगवान के प्रति समर्पित करते हुए निष्काम भाव से करना ही स'चा मार्ग है।महाराज श्री ने बताया कि अर्जुन के मन में यह प्रश्न उठता है कि यदि ज्ञान कर्म से श्रेष्ठ है, तो फिर उसे कर्म करने के लिए क्यों प्रेरित किया जा रहा है। भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन के इस संशय को दूर करते हुए स्पष्ट करते हैं कि केवल कर्मों का त्याग कर देने से मनुष्य कर्मबंधन से मुक्त नहीं हो सकता।उन्होंने कहा कि गीता के तीसरे अध्याय का आरंभ ही एक महत्वपूर्ण जीवन-संदेश देता है—मनुष्य कर्म किए बिना एक क्षण भी नहीं रह सकता। प्रकृति के तीनों गुण मनुष्य को निरंतर कर्म करने के लिए प्रेरित करते हैं। इसलिए कर्म से भागना समाधान नहीं है; कर्म के प्रति अपने दृष्टिकोण को बदलना ही समाधान है।महाराज जी ने श्लोक की व्याख्या करते हुए कहा कि अर्जुन का प्रश्न आज के मनुष्य का भी प्रश्न है। आज भी व्यक्ति सोचता है कि आध्यात्मिक जीवन अपनाने के लिए संसार के कर्तव्यों को छोड़ देना चाहिए। श्रीकृष्ण बताते हैं कि स'चा अध्यात्म कर्तव्य से पलायन नहीं, बल्कि कर्तव्य को ईश्वरार्पण करने में है। महाराज श्री का पूजन सर्व श्री प्रणव पाठक, दिलीप चतुर्वेदी, एस के चौरसिया, उमेश पिल्ले, अटल बिहारी, अलभ्य बाजपेयी, भानु नवेरिया, बालकृष्ण अग्रवाल, नलिन पांडेय, रमेश नवेरिया, मनीष दुबे आदि ने किया। पूजन पंडित रोहित दुबे, पंडित सौरभ दुबे ने सम्पन्न कराया।

काकनवानी एवं थांदला में खाद्य सुरक्षा एवं नापतौल विभाग की संयुक्त कार्रवाई

झाबुआ (ए.)। खाद्य सुरक्षा प्रशासन, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी निर्देशों के पालन में आगामी रक्षाबंधन पर्व को दृष्टिगत रखते हुए जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग एवं नापतौल विभाग द्वारा संयुक्त रूप से खाद्य प्रतिष्ठानों के निरीक्षण एवं जांच की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को काकनवानी एवं थांदला क्षेत्र के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, वैधता, मानक घोषणाओं तथा प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों के भंडारण एवं विक्रय की जांच की गई।

कलेक्टर ने श्रावण के अंतिम सोमवार पर आम श्रद्धालुओं के साथ महाकाल के दर्शन किए

कलेक्टर श्री सिंह ने कांवड़ यात्रियों के साथ भगवान श्री महाकालेश्वर को जल अर्पित किया

उज्जैन, (ए.)। श्रावण मास के अंतिम सोमवार के पावन अवसर पर कलेक्टर ोशन कुमार सिंह ने सोमवार को श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर वहां स्थापित कंट्रोल रूम से विभिन्न स्थलों की व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। इसके पश्चात कलेक्टर श्री सिंह आम श्रद्धालुओं की लाइन में शामिल हुए और वहां दर्शनार्थियों से सीधे बातचीत कर उनके महाकालेश्वर दर्शन तथा मंदिर में की गई व्यवस्थाओं के अनुभव के बारे में जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने कंट्रोल रूम से विभिन्न स्थलों व प्रवेश मार्ग का अवलोकन किया। इसके बाद मानसरोवर मार्ग से सामान्य दर्शन प्रवेश कर सामान्य दर्शन लाइन में लगे। कावड़ यात्रियों के साथ मिलकर उन्होंने भगवान महाकालेश्वर पर जल अर्पित किया तथा कार्तिक मंडप से भगवान के दर्शन करते हुए बाहर आए। दर्शन के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने दर्शनार्थियों से पूछा कि उन्हें दर्शन करने में कितना समय लगा और किसी प्रकार की कोई असुविधा तो नहीं हुई। श्रद्धालुओं ने व्यवस्थाओं से

संतोष व्यक्त करते हुए बताया कि उन्हें अपेक्षाकृत कम समय में भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन हो गए। कलेक्टर ने विभिन्न शहरों से आए श्रद्धालुओं से भी बातचीत की और उनसे मंदिर की दर्शन व्यवस्था तथा उनके अनुभव के बारे में जानकारियां लीं। अधिकांश श्रद्धालुओं ने दर्शन व्यवस्था के प्रति संतोष जताया। इस दौरान प्रशासक, श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति श्री प्रथम कौशिक भी उपस्थित रहे।

बाहर से आए दर्शनार्थियों ने कलेक्टर श्री सिंह के आत्मीयता भरे व्यवहार, सादगी और सरलता की विशेष प्रशंसा की। कलेक्टर के इस व्यक्तिगत निरीक्षण एवं आम श्रद्धालुओं के साथ मिलकर किए गए दर्शन ने मंदिर में सुचारू व्यवस्थाओं को और मजबूती प्रदान की है।

ग्वालियर जिले के किसानों से मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे वर्चुअल संवाद

卐बलराम कृषि महोत्सव卐 के तहत डबरा में 25 अगस्त को होगा कार्यक्रम का आयोजन

ग्वालियर(ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 25 अगस्त को ग्वालियर जिले के किसानों से संवाद और कृषि नवाचारों पर चर्चा करेंगे। "बलराम कृषि महोत्सव "के

तहत 25 अगस्त को डबरा कृषि उपज मंडी परिसर में कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है। इसी कार्यक्रम में शामिल होने आ रहे जिले के किसानों से मुख्यमंत्री डॉ. यादव वर्चुअल संवाद करेंगे। इस आयोजन में जिले के जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में प्रगतिशील कृषकगण शामिल होंगे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सोमवार को कृषि उपज मंडी डबरा पहुँचकर तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही कार्यक्रम को प्रभावी एवं सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित करने के लिये संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत एवं अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

ऑडिटोरियम में चार दिवसीय राखी मेले का भव्य शुभारंभ

बैतूल (ए.)। बैतूल मुख्यालय स्थित ऑडिटोरियम में 24 अगस्त से चार दिवसीय भव्य राखी मेले का विधिवत शुभारंभ किया गया। आजीविका मिशन के तत्वावधान में आयोजित इस मेले का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की महिलाओं स्व-सहायता समूह की दीदियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना और उनके हुनर को बेहतर बाजार उपलब्ध कराना है। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजा पवार एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे द्वारा दीप प्रज्वलन कर मेले का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने आजीविका मिशन के प्रयासों की सराहना की और जिलेवासी नागरिकों से स्थानीय उत्पादों को अपनाने तथा महिलाओं का उत्साहवर्धन करने की अपील की। विशेष आकर्षण एवं उत्पाद चार दिनों तक चलने वाले इस मेले में आजीविका स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित इको-फ्रेंडली व आकर्षक राखियां रेशम, मोती तथा पर्यावरण के अनुकूल सामग्रियों से तैयार अनूठी राखियां, हाथ से बनी सजावटी वस्तुएं और हस्तशिल्प उत्पाद तथा पारंपरिक व्यंजन व घरेलू सामग्रियां शुद्ध पारंपरिक खाद्य सामग्री एवं दैनिक उपयोग की वस्तुएं बिक्री के लिए उपलब्ध है।

भिंड में 2 लाख से ज्यादा की अवैध शराब जब्त, 43 पेटियों के साथ 60 वर्षीय बुजुर्ग गिरफ्तार

भिंड(आरएनएस)। अवैध शराब की बिक्री का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है. अवैध शराब के कारोबार पर आबकारी विभाग की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं, वहीं देहात थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक मकान से भारी मात्रा में देशी शराब बरामद की है. पुलिस ने मौके से एक 60 वर्षीय बुजुर्ग को भी गिरफ्तार किया है.मामला देहात थाना क्षेत्र के अटेर रोड बंबा के किनारे स्थित कृष्णा नगर का है. पुलिस को मुखबिरों से सूचना मिली थी कि कृष्णा नगर स्थित एक मकान में बड़ी मात्रा में अवैध देशी शराब छिपाकर रखी गई है। वहां से शराब की अवैध बिक्री की जा रही है. सूचना मिलते ही देहात थाना पुलिस ने टीम गठित कर बताए गए मकान पर दबिश दी.पुलिस टीम ने मकान की तलाशी ली तो वहां भारी मात्रा में देशी शराब बरामद हुई. पुलिस के मुताबिक कार्रवाई के दौरान 43 पेटी अवैध देशी शराब जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 2 लाख 15 हजार रुपये बताई जा रही है. मौके से पुलिस ने 60 वर्षीय कैलाश नारायण भटेले को भी पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी से शराब रखने और उसकी बिक्री के संबंध में लाइसेंस, परमिट सहित अन्य वैध दस्तावेज मांगे, लेकिन आरोपी कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका. इसके बाद पुलिस ने शराब को जब्त कर आरोपी को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने करीब छह महीने पहले सस्ते दामों पर शराब का स्टॉक खरीदा था. हालांकि पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी ने इतनी बड़ी मात्रा में शराब आखिर किससे खरीदी थी।

अनूपपुर में हाथियों ने तोड़ा 50 साल पुराना बांध, तेज बहाव में खेतों की मेढ़ें बहीं

अनूपपुर,(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के जैतहरी वन परिक्षेत्र में दो हाथियों के झुंड ने सोमवार को करीब 50 वर्ष पुराने द्वाही बांध को क्षतिग्रस्त कर दिया। बांध टूटने के बाद पानी तेज गति से आसपास के खेतों में फैल गया और सोन नदी की ओर बह निकला। पानी के तेज बहाव में करीब 40 से 50 किसानों के खेतों की मेढ़ें बह गईं। घटना की सूचना ग्रामीणों ने वन एवं राजस्व विभाग को दी है।ग्राम पंचायत पचौहा के सरपंच राय सिंह ने घटना की जानकारी जैतहरी वन परिक्षेत्र के कुसुम्हाई बीट गार्ड कोमल सिंह को दी। इसके साथ ही उन्होंने राजस्व विभाग को भी घटना से अवगत कराया।सरपंच के अनुसार दोनों हाथी पिछले दो दिनों से कुसुम्हाई के जंगल में डेरा डाले हुए थे। सोमवार दोपहर हाथी बांध के नीचे बने एक बड़े गड्ढे में करीब एक घंटे तक नहाते रहे। इसके बाद दोनों हाथी बांध की ओर बढ़े। हाथियों के बांध पर पहुंचते ही मिट्टी धंसने लगी।

व्यापार समाचार

भारत-मॉरीशस ने ऊर्जा साझेदारी मजबूत करने पर की चर्चा, तेल-गैस सहयोग के दो अहम समझौतों का आदान-प्रदान

पोर्ट लुई ,(आरएनएस)। भारत और मॉरीशस ने ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जताई है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम से मुलाकात कर दोनों देशों के बीच ऊर्जा साझेदारी को आगे बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा की।

भारतीय उच्चायोग ने रविवार को एक्स पर बताया कि बैठक के दौरान हरदीप सिंह पुरी ने मॉरीशस की ऊर्जा सुरक्षा और ऊर्जा परिवर्तन (एनर्जी ट्रांजिशन) में भारत की निरंतर प्रतिबद्धता दोहराई।

बैठक के बाद दोनों देशों के बीच तेल और गैस सहयोग को लेकर सरकार-से-सरकार (जी-टू-जी) समझौता ज्ञापन (एमओयू) और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) तथा मॉरीशस की स्टेट ट्रेडिंग कॉरपोरेशन के बीच एक समझौते का आदान-प्रदान किया गया।

भारतीय उच्चायोग के अनुसार, इन समझौतों के तहत मॉरीशस को पेट्रोल, डीजल, मरीन गैस ऑयल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल की दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इससे ईंधन की कीमतों में उतार-चढ़ाव से सुरक्षा मिलेगी और देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी।

हरदीप सिंह पुरी ने 20 से 22 अगस्त तक मॉरीशस की आधिकारिक यात्रा की।

NRI बेटे ने माता-पिता को भेजे 11 लाख रुपये और आ गया इनकम टैक्स का नोटिस, जानें विदेश से पैसे मंगाने के क्या हैं जरूरी नियम

नई दिल्ली (आरनएस)। विदेशों में बसे भारतीय अक्सर अपने परिवार के भरण-पोषण और अन्य जरूरतों के लिए भारत में अपनी गाढ़ी कमाई भेजते हैं। यह एक बेहद आम और वैध प्रक्रिया है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बिना सही जानकारी और पुख्ता दस्तावेजों के भेजी गई बड़ी रकम आपके परिवार के लिए कानूनी मुसीबत खड़ी कर सकती है? हाल ही में एक ऐसा ही हैरान करने वाला मामला सामने आया है। अमेरिका में रहने वाले एक एनआरआई (NRI) बेटे ने अपने माता-पिता के बैंक खाते में करीब 11 लाख रुपये भेजे थे, जिसके बाद आयकर विभाग ने उनके खाते में अचानक आई इस बड़ी रकम को संदिग्ध मानते हुए नोटिस थमा दिया।

6 साल तक चला मामला, ट्रिब्यूनल ने दी राहत

इस 11 लाख रुपये के ट्रांजेक्शन को लेकर शुरू हुआ यह विवाद कोई एक-दो महीने नहीं, बल्कि पूरे छह साल तक चला। दरअसल, माता-पिता के खाते में अचानक जमा हुई इस बड़ी रकम के स्रोत और उद्देश्य का कोई स्पष्ट रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं था, जिसके चलते टैक्स विभाग ने जवाब-तलब किया था। लंबी कानूनी लड़ाई के बाद आखिरकार मई 2026 में आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (ITAT) ने इस नोटिस को खारिज कर दिया। इस फैसले से यह तो साफ हो गया कि परिवार को भेजे गए पैसों पर आम तौर पर टैक्स नहीं लगता, लेकिन यह मामला इस बात की चेतावनी जरूर है कि ट्रांजेक्शन का स्पष्ट रिकॉर्ड रखना कितना जरूरी है।

क्या विदेश से रिश्तेदारों को भेजे गए पैसों पर टैक्स लगता है?

आयकर कानून के अनुसार, अगर कोई NRI विदेश से अपने माता-पिता, पति या पत्नी, बच्चों या कानून द्वारा निर्धारित अन्य रिश्तेदारों को पैसे भेजता है, तो उस रकम पर टैक्स नहीं लगता है। सिर्फ इसलिए कि पैसा विदेश से आया है, वह टैक्सेबल नहीं हो जाता। इसके अलावा, ऐसे खास रिश्तेदारों को दिए गए गिफ्ट पर आम तौर पर लगने वाली 50,000 रुपये की छूट वाली सीमा भी लागू नहीं होती है।

सोने ने तोड़े सारे रिकॉर्ड! 1.63 लाख के पार पहुंची कीमत, चांदी खरीदने वालों के लिए खुशखबरी

मुंबई (आरएनएस)। सोने की शुरुआत सोमवार को तेजी के साथ हुई और दाम 1.63 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया है। हालांकि, चांदी में करीब आधा प्रतिशत की गिरावट देखी जा रही है।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,62,438 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,62,052 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।फिलहाल सोना 0.53 प्रतिशत या 862 रुपए की तेजी के साथ 1,63,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।अब तक के कारोबार में सोने ने 1,62,001 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,63,590 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ।

दूसरी तरफ चांदी में गिरावट देखी जा रही है।

चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,46,597 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,45,597 रुपए प्रति किलो पर खुला।मौजूदा समय में चांदी 1,098 रुपए या 0.46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,45,499 रुपए प्रति किलो पर थी।अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,44,815 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,46,475 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ।अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। कॉमेक्स पर सोना 0.44 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,701 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.68 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 69 डॉलर प्रति औंस पर थी।

जानकारों के मुताबिक, सोने में तेजी की वजह अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में गिरावट आना है, जिसकी वजह अमेरिकी सरकार की ओर से लंबी अवधि के बॉन्ड बायबैक की लिमिट को 2 अरब डॉलर से बढ़ाकर 4 अरब डॉलर करना है। इससे 30 साल के अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में करीब आधा प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने आगे कहा कि चांदी में गिरावट की वजह हाल की तेजी के बाद मुनाफावसूली है।इसके अतिरिक्त, मजबूत वैश्विक संकेतों से भारतीय शेयर बाजार तेजी के साथ खुला। दोनों मुख्य सूचकांकों में करीब 0.20-0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार हो रहा था।

30 साल की उम्र में 5 करोड़ रुपए का रिटायरमेंट फंड बनाना है? जानिए हर महीने कितने की करनी होगी SIP

नई दिल्ली (आरएनएस)। रिटायरमेंट के लिए 5 करोड़ रुपए का फंड तैयार करना सुनने में भले ही एक बड़ा लक्ष्य लगे, लेकिन सही समय पर निवेश शुरू कर दिया जाए और लंबे समय तक नियमित निवेश जारी रखा जाए तो कंपाउंडिंग की ताकत से यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। खासतौर पर म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए लंबी अवधि का निवेश रिटायरमेंट प्लानिंग का एक प्रभावी तरीका बन सकता है। हालांकि, निवेश शुरू करने की उम्र जितनी कम होगी, उतना अधिक समय कंपाउंडिंग के लिए मिलेगा और हर महीने निवेश की जाने वाली रकम अपेक्षाकृत कम हो सकती है। आज हम आपको कैलकुलेशन के माध्यम से बताते हैं कि अगर कोई 30 साल की उम्र में 5 करोड़ रुपए का रिटायरमेंट फंड बनाना चाहता है तो उसे हर महीने कितने रुपए की एसआईपी करनी पड़ेगी।अगर कोई व्यक्ति 30 साल की उम्र में निवेश शुरू करता है, तो उसके पास 60 साल की उम्र तक 30 साल का समय होता है।

पीयूष गोयल जापान दौरे पर, दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को करेंगे मजबूत

टोक्यो,(आरएनएस)।वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के आधिकारिक जापान दौरे की शुरुआत सोमवार से हो गई। इस दौरान वे भारत और जापान के बीच आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए दिग्गज जापानी कंपनियों के सीईओ और बिजनेस लीडर्स के साथ बैठक करेंगे।

गोयल का आधिकारिक जापान दौरा 27 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान वे भारत के अब तक के सबसे बड़े प्रतिनिधिमंडल 200 बिजनेस लीडर्स से अधिक का नेतृत्व करते हुए टोक्यो, नागोया और ओसाका का दौरा करेंगे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, टोक्यो में मेरे कार्यक्रमों की शुरुआत सुमितोमो कॉर्पोरेशन के प्रेसिडेंट और सीईओ शिंगो उएनो के साथ एक बेहतरीन बैठक से हुई। हमने एनर्जी ट्रांसफॉर्मेशन, मोबिलिटी और इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्रों में भारत के साथ कंपनी के जुड़ाव को और गहरा करने के मौकों पर चर्चा की।

गोयल ने कहा कि भारत की निवेश-आधारित ग्रोथ और मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम का विस्तार बेहतर सहयोग के लिए बड़े मौके देता है, जिससे भारत-जापान आर्थिक साझेदारी और मजबूत होगी।

उन्होंने मेइजी सेइका फार्मा कंपनी लिमिटेड के प्रेसिडेंट और रिप्रेजेंटेटिव डायरेक्टर तोशियाकी नागासातो से भी मुलाकात की। उन्होंने फार्मास्युटिकल सेक्टर में भारत-जापान सहयोग को मजबूत करने के मौकों और भारत में कंपनी की मैन्युफैक्चरिंग और आरएंडडी गतिविधियों को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।गोयल ने कहा, भारत का फार्मास्युटिकल इकोसिस्टम हमारे जापानी पार्टनर्स के लिए बड़े पैमाने पर काम करने और लंबे समय तक ग्रोथ हासिल करने के अहम मौके देता है।एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, भारतीय बिजनेस डेलिगेशन में 200 से ज्यादा बिजनेस रिप्रेजेंटेटिव शामिल हैं। ये लोग मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, क्लीन एनर्जी और स्टील से लेकर ऑटोमोटिव, फाइनेंशियल सर्विस, हेल्थकेयर और स्टार्टअप जैसे सेक्टर से जुड़े हैं।

नए Sim Card नियम आज से लागू, अब एक व्यक्ति नहीं ले पाएगा 9 से ज्यादा मोबाइल कनेक्शन

नई दिल्ली (ए.)। केंद्र सरकार के दूरसंचार विभाग की ओर से जारी किए गए नए सिम कार्ड नियम सोमवार से लागू हो गए हैं। इसके तहत कोई यूजर अपने नाम पर अधिकतम 9 मोबाइल कनेक्शंस रख सकता है। वहीं, कुछ इलाकों जैसे जम्मू एंड कश्मीर, असम और उत्तर-पूर्व के लिए यह सीमा छह निर्धारित की गई है।दूरसंचार विभाग की ओर से जारी सर्कुलर में टेलीकॉम

कंपनियों को निर्देश दिया गया है कि वे ऐसे ग्राहकों की पहचान करें, जिनके पास पहले से ही निर्धारित सीमा के करीब मोबाइल कनेक्शन हैं और जानकारी दें कि नए नियमों के तहत अब वे नया कनेक्शन नहीं ले सकते हैं।इन निर्देशों के तहत ग्राहकों को 'कस्टमर एप्लीकेशन फॉर्म' (सीएएफ) में यह जानकारी देनी होगी कि उनके नाम पर अलग-अलग टेलीकॉम ऑपरेटरों और लाइसेंस प्राप्त सर्विस एरिया में पहले से कौन-कौन से मोबाइल कनेक्शन हैं।डीओटी के सर्कुलर में बताया गया है कि जिन ग्राहकों ने तय सीमा से ज्यादा मोबाइल कनेक्शन ले रखे हैं, उनकी जानकारी विभाग के द्वारा विकसित किए गए 'डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म' (डीआईपी) पर उपलब्ध है।डीओटी ने टेलीकॉम ऑपरेटरों की मदद के लिए यह सिस्टम बनाया है ताकि वे ऐसे ग्राहकों की पहचान कर सकें, जिनके नाम पर मोबाइल कनेक्शन की तय सीमा पूरी हो चुकी है।नया सिस्टम उन ग्राहकों को पहचानने के लिए फोटोग्राफ का उपयोग करेगा और डीआईपी पर दूरसंचार विभाग उन सब्सक्राइबर्स की फोटो भेजेगा, जो अधिकतम कनेक्शन की सीमा तक पहुंच चुके हैं।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

यूजर्स पर अनावश्यक बोझ

मोदी सरकार उचित ही यूपीआई की सफलता को अपनी एक बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश करती आई है। अब यह समझना कठिन है कि अपनी इस कामयाबी को पलटने का रास्ता वह क्यों तैयार कर रही है?

केंद्र ने संसद से वह विधेयक पारित करवा लिया है, जिसके बाद बैंकों को यूपीआई पेमेंट पर फीस लगाने का अधिकार देने का रास्ता खुल गया है। यह आपत्तिजनक पहल है। नरेंद्र मोदी सरकार उचित ही यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस की सफलता को अपनी एक बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश करती आई है। मोदी सरकार रुपे कार्ड की शुरुआत कर स्वदेशी भुगतान की एक और महत्त्वपूर्ण पहल करने में सफल रही थी। अब यह समझना कठिन है कि अपनी बड़ी कामयाबी को पलटने का रास्ता वह क्यों तैयार कर रही है? सरकार ने खुद कहा है कि बड़े लेनदेन कारोबारियों से बैंकों को भुगतान फीस वसूलने का अधिकार दिया जा सकता है।

सरकार का दावा है कि इससे महज पांच प्रतिशत यूजर प्रभावित होंगे। यानी आम भुगतानकर्ताओं पर इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। मगर, व्यवहार में इसे सुनिश्चित करना शायद संभव नहीं होगा। वेंडर्स यूजर्स पर उन शुल्कों को ट्रांसफर ना करें, इसकी गारंटी करना बेहद कठिन साबित होगा। नतीजतन, फीस का चलन लागू होने के बाद व्यवहार में असल में यह होगा कि लोग नकदी लेनदेन या क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने की दिशा में लौटेंगे। यह सरकार की घोषित प्राथमिकताओं के खिलाफ होगा। वैसे भी, जब सरकार यह सिस्टम चलाने के लिए हर साल डेढ़ से दो हजार करोड़ रुपये की सब्सिडी बैंकों को दे रही है, तो फिर बैंकों को फीस लेने की आजादी देने का क्या तर्क हो सकता है?

ऐसे प्रश्नों का सटीक उत्तर मौजूद ना होने के कारण ही इस संदेह को हवा मिली है कि इस फैसले के पीछे अमेरिकी दबाव की भूमिका है। यूपीआई और रुपे कार्ड के चलन में आने से अमेरिकी कंपनियों- मास्टरकार्ड, वीजा, अमेरिकन एक्सप्रेस आदि के भारत में मौजूद बाजार पर प्रतिकूल असर पड़ा। अब कहा जा रहा है कि उन कंपनियों के हित में भारत पर अमेरिका के ट्रंप प्रशासन का परोक्ष दबाव पड़ा है। मुमकिन है कि ऐसी बातों में कोई दम ना हो। मगर खुद मोदी सरकार ने भारतीय कारोबारियों और यूजर्स पर अनावश्यक बोझ डालने की तैयारी कर ऐसी चर्चाओं की जमीन तैयार की है।

स्कूलों को कर दीजिए बरबाद फिर सारी समस्या समाप्त

हरिशंकर व्यास

जंतर मंतर पर 'जेन जी' का आंदोलन हुआ और सरकार बैकफुट पर आई तो उसके बाद आरएसएस में भी इसकी चर्चा शुरू हुई कि आखिर ऐसा क्या हुआ है कि नौजवान इतने नाराज हैं। तब संघ के एक पदाधिकारी ने एक ऐसे बौद्धिक से बात की, जो राइटविंग के हैं लेकिन तार्किक विचार रखते हैं और वास्तविक अर्थों में बौद्धिक हैं। उनसे पूछा गया कि आखिर ऐसा क्या हुआ है कि नई पीढ़ी के युवा इतने नाराज हैं और सार्वजनिक रूप से ऐसी ऐसी बातें कह रहे हैं, जिनके बारे में कभी कल्पना नहीं की गई थी। उनका जवाब था, 'आपने कॉलेज बरबाद कर दिए, यूनिवर्सिटीज बरबाद कर दी, तकनीकी संस्थान बरबाद कर दिए, लेकिन स्कूल अभी तक बरबाद नहीं कर पाए हैं। स्कूलों को बरबाद कर दीजिए फिर सारी समस्या समाप्त हो जाएगी'।

यह बात उन्होंने तंज के अंदाज में कही। उनका कहना था कि स्कूली शिक्षा का निजीकरण बहुत पहले हो चुका है और अब भी काफी स्कूल हैं, जो बहुत अच्छे हैं। वहां से पढ़ाई करके जो छात्र निकल रहे हैं और कॉलेज पहुंच रहे हैं उनके सामने अचानक शून्य आ जा रहा है। न फैकल्टी अच्छी है, न वाइस चांसलर अच्छे हैं, न रिसर्च की सुविधा अच्छी है, न लाइब्रेरी अच्छी है और किसी तरह से वहां एडजस्ट करें तो परीक्षा की पूरी व्यवस्था प्रदूषित हो गई है। वहां उनके अंदर फ्रस्ट्रेशन बढ़ना शुरू होता है। इसी का प्रकटीकरण जंतर मंतर पर हुआ या सोशल मीडिया में भी 'जेन जी' की नाराजगी के रूप में हो रहा है। इसका उपाय यही है कि स्कूली शिक्षा के स्तर पर ही उनकी पढ़ाई लिखाई खराब कर दी जाए तो वे आगे भी शिकायत नहीं करेंगे।

सो प्रधानमंत्री, संघ प्रमुख और केंद्र सरकार के मंत्रियों और राज्यों के नेताओं को पहले तो यह समझना होगा कि छात्र और युवा किस बात से नाराज हैं? वे इस बात से नहीं नाराज हैं कि उनको ठीक तरीके से समझा नहीं जा रहा है। वह समस्या हर पीढ़ी के साथ होती है। वे नाराज इसलिए हैं क्योंकि शिक्षा और परीक्षा दोनों का भट्ठा बैठ गया है। कोई भी परीक्षा बिना त्रुटि के नहीं हो रही है। उनका फ्रस्ट्रेशन इस बात को लेकर है कि नौकरियों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। वैकेंसी नहीं आ रही है और आ भी रही है तो उसे भरने की प्रक्रिया इतनी लंबी हो जा रही है कि छात्रों की उम्र निकल जा रही है। हर दूसरी या तीसरी परीक्षा के पेपर लीक हो रहे हैं। हर दूसरी या तीसरी परीक्षा में परीक्षा केंद्रों पर सेटिंग हो रही है, ओएमआर शीट में गड़बड़ी हो रही है, उत्तर पुस्तिकों की जांच में धांधली हो रही है और कई जगह तो सीधे नौकरी बेच दी जा रही है। छात्रों की इस बात की नाराजगी है कि न तो शिक्षा का कैलेंडर ठीक से चल रहा है और न परीक्षा का कोई कैलेंडर है। ज्यादातर परीक्षाओं में देरी हो रही है और अभ्यर्थियों की उम्र निकल जा रही है। इस बात को समझने की बजाय हर व्यक्ति उनको ज्ञान देने में लगा है या उनकी भाषा बोल कर उनको खुश करने में लगा है। सिरदर्द के इलाज के लिए सरकार के लोग उंगली पर बैंड एड लगा रहे हैं। मंत्री संसद में खड़े होकर 'फोमो', 'एमआईए' और 'डेलुलु' जैसे शब्द बोल कर समझ रहे हैं कि इससे नौजवान खुश हो जाएंगे और शिक्षा व परीक्षा की गड़बड़ियों को भूल जाएंगे।

संकट शिक्षा और परीक्षा की व्यवस्था में आई गड़बड़ियों का है। इसकी शुरुआत 2014 में उसी दिन हो गई थी, जिस दिन नरेंद्र मोदी की पहली सरकार में स्मृति ईरानी को शिक्षा मंत्री बनाया गया था। सोचें, वे डॉक्टर मुरली मनोहर जोशी की रिप्लेसमेंट थीं! भाजपा की आखिरी सरकार यानी 1999 से 2004 के बीच वाली अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मुरली मनोहर जोशी शिक्षा मंत्री थे। उसके बाद भाजपा को सरकार बनाने का मौका 2014 में मिला तो स्मृति ईरानी को शिक्षा मंत्री बनाया। इससे शिक्षा के प्रति सरकार की गंभीरता, प्रतिबद्धता का पता चलता है। ध्यान रहे 31 दिसंबर 2012 को 'जेन जी' के आखिरी बच्चे का जन्म हुआ था। उसके बाद जन्मे बच्चे 'जेन अल्फा' यानी 2014 में बनीं शिक्षा मंत्री के ऊपर ही 'जेन जी' का भविष्य संवारने की जिम्मेदारी थी। उनके ऊपर यह जवाबदेही थी कि 1997 से 2012 के बीच जन्मे बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा, अच्छे संस्कार, अच्छे प्रशिक्षण और नौकरी व रोजगार की व्यवस्था करें। क्या स्मृति ईरानी इस काम के लिए उपयुक्त थीं?

उसी दिन पता चल गया कि इस सरकार को शिक्षा के साथ क्या करना है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की बौद्धिक जमात से नाराज थे। गुजरात में मुख्यमंत्री रहते बौद्धिक जमात ने उनको बहुत निशाना बनाया था। दिल्ली यूनिवर्सिटी से लेकर जेएनयू और देश के दूसरे शिक्षा केंद्रों में बैठे लोग उनके ऊपर हमला थे। प्रधानमंत्री बनने के बाद उनको इसका बदला लेना था। उन्होंने देश की बौद्धिक जमात को, विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को, महाविद्यालयों के प्राचार्यों को, बड़े शैक्षिक संस्थानों को निदेशकों आदि को अपमानित करना था और इसके लिए ही स्मृति ईरानी के शिक्षा मंत्री बनाया गया। उन्होंने यह जिम्मेदारी बखूबी निभाई। हालांकि यह परंपरा वही पर समाप्त नहीं हो गई। स्मृति ईरानी के बाद प्रकाश जावडेकर, रमेश पोखरियाल निशंक और धर्मेंद्र प्रधान को शिक्षा मंत्री बनाया गया। सबने मिल कर देश के नामी विश्वविद्यालयों में ऐसे कुलपति नियुक्त किए, जिनका शिक्षा और गुणवत्ता से कोई लेना देना नहीं रहा। आईआईटी, आईआईएम, एम्स जैसे संस्थानों में ऐसे निदेशक नियुक्त किए गए, जिनकी योग्यता 'भाई साहब' लोगों की परिक्रमा से ज्यादा कुछ नहीं थी। रिसर्च संस्थानों में ऐसे लोगों को जिम्मेदारी दी गई जिनका शोध कार्य से दूर दूर तक कोई लेना देना नहीं था। बिल्कुल अलग कसौटियों पर लोगों को नियुक्त किया गया। केंद्र से लेकर राज्यों तक में पाठ्यक्रम तैयार करने और नई किताबें लिखने के लिए जो लोग चुने गए उन्हें इस विधा का कोई अंदाजा नहीं था।

ऑफलाइन पर पहरा, ऑनलाइन कोचिंग आजाद – क्या कानून काफी है?

[कोचिंग का इलाज नहीं, शिक्षा की बीमारी का इलाज चाहिए]

प्रो. आरके जैन अरिजीत

महाराष्ट्र सरकार ने निजी कोचिंग सेंटर्स के लिए 'महाराष्ट्र प्राइवेट कोचिंग सेंटर्स (रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन) एक्ट, 2026' का मसौदा पेश किया है। नीट पेपर लीक के बाद सरकार को उस शिक्षा-बाजार की याद आई, जहां बच्चे विद्यार्थी कम, परिणाम पैदा करने वाली मशीन अधिक समझे जाते हैं। मसौदे में फीस, पढ़ाई के घंटे, छात्र सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य, विज्ञापन और पंजीकरण पर कड़े प्रावधान हैं। 25 से अधिक विद्यार्थियों वाले केंद्रों का पंजीकरण अनिवार्य होगा, 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रवेश नहीं मिलेगा और रोजाना पांच घंटे से अधिक कक्षाएं नहीं चलेंगी। उल्लंघन पर 50 लाख रुपये तक जुर्माना होगा। कानून का कद बड़ा है; अब देखना है कि उसका हाथ भी उतना ही लंबा है या नहीं।मसौदे का पहला शिकंजा पंजीकरण है। 25 से अधिक विद्यार्थियों वाले हर कोचिंग केंद्र का पंजीकरण अनिवार्य होगा। पुराने केंद्रों को छह महीने मिलेंगे, पंजीकरण तीन वर्ष के लिए होगा और हर शाखा अलग केंद्र मानी जाएगी। शिक्षक स्नातक होने चाहिए तथा संज्ञेय अपराध में शामिल लोगों की नियुक्ति नहीं होगी। रैंक की गारंटी और भ्रामक विज्ञापनों पर भी रोक होगी। यह जरूरी है, क्योंकि अब तक कई संस्थान बिना जवाबदेही शिक्षा बेच रहे थे। मगर असली सवाल पंजीकरण नहीं, निरीक्षण है। निरीक्षक कम और संस्थान हजारों हुए तो कागजों पर सब ठीक, जमीन पर सब पहले जैसा रह सकता है। कानून की स्याही तभी असरदार है, जब निगरानी की आंख खुली रहे।रोज पांच घंटे की कोचिंग सीमा राहत देती है। सुबह बहुत जल्दी और रात देर तक कक्षाएं नहीं चलेंगी। साप्ताहिक अवकाश होगा और छुट्टी के अगले दिन टेस्ट नहीं लिया जा सकेगा। मानसिक स्वास्थ्य के लिए काउंसलिंग और एप्टीट्यूड टेस्ट अनिवार्य होंगे। यह जरूरी है, क्योंकि प्रतियोगिता ने कई किशोरों को किताब से पहले तनाव पढ़ना सिखा दिया है। लेकिन संस्थान में पांच घंटे बंद हुए तो घर में होमवर्क, ऑनलाइन टेस्ट और निजी ट्यूशन के घंटे बढ़ सकते हैं। दबाव का ठिकाना बदलेगा, दबाव खत्म नहीं होगा।

सिद्धांत सरकार, संगठन में चलता है

अजीत द्विवेदी

नितिन नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभालने के बाद 209 दिन तक चले मंथन से भाजपा का संगठन चलाने के लिए जो 'रत्न' चुने गए हैं उनको देख कर कतई हैरानी नहीं हुई। अगर भाजपा संगठन में ऐसे पदाधिकारी नहीं चुने जाते या टीम ऐसी ही नहीं बनती तो हैरानी होती। ध्यान रहे जब कोई पार्टी सरकार में होती है तो उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष या संगठन का कोई खास महत्व नहीं रह जाता है। फिर भी भाजपा चूंकि संगठन वाली पार्टी मानी जाती है इसलिए एक कवायद दिखाई जाती है। उस कवायद से जो टीम बनी है वह बिल्कुल वैसी ही है, जैसी टीम पिछले एक दशक से सरकार और संगठन में बनाई जा रही है। दोनों जगह किसी अन्य चेहरे की जरुरत नहीं है। सरकार में नरेंद्र मोदी और संगठन में अमित शाह का ही मतलब है। बाकी सबको दिए गए निर्देशों का पालन करना होता है। यह नई टीम भी इसी सिद्धांत को व्यवहार रूप में प्रतीकित कर रही है।

ध्यान रहे पिछले एक दशक से ज्यादा समय से भाजपा में यह सिद्धांत अपना लिया गया है कि अगर कोई नेता अपने दम पर या अपनी काबिलियत के दम पर बड़ा बना है, अपना नाम बनाया है, राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है, राष्ट्रीय दृष्टि रखता है तो उसको हाशिए में डालना है। इसके एकाध अपवाद हो सकते हैं। लेकिन यही सिद्धांत सरकार में चलता है, संगठन में चलता है और यहां तक कि चुनाव लड़ने में भी इसे ही लागू किया जाता है। बिल्कुल अनजान चेहरों को चुन कर आगे किया जाता है। लोकसभा और विधानसभा का चुनाव लड़ाया जाता है या राज्यसभा और विधान परिषद में भेजा जाता है। इनमें से ज्यादातर लोग विधायी कामकाज में क्या योगदान करते हैं यह बता पाना उनके खुद के लिए भी मुश्किल ही होगा।

राजनीति के रंगमंच पर अपनी संक्षिप्त भूमिका निभा कर थोड़े समय के बाद ये चेहरे नेपथ्य में चले जाते हैं। फिर उनके बारे में किसी को पता नहीं चलता। लेकिन शुरुआत में जब इन्हें लाया जाता है तो प्रचार यह होता है कि बिल्कुल जमीनी स्तर से नेता खोजा गया है। असल में ऐसे नेताओं की कोई जमीन नहीं होती है। इसलिए वे बाद में जमीन पर दिखाई नहीं देते हैं। इस बार भी ऐसे दर्जनों 'जमीनी नेता' पार्टी के पदाधिकारी बनाए गए हैं। हालांकि इनमें से ज्यादातर की कोई खास भूमिका नहीं रहेगी और थोड़े समय के बाद ये लोग कहां चले जाएंगे, वह किसी को पता नहीं चलेगा। कुछ चुनिंदा लोग, जो पहले से संगठन का काम कर रहे हैं या कुछ ऐसे लोग, जिनको वापस संगठन में लाया गया है, वे ही काम करेंगे और जब चुनाव आएंगे तो संगठन के पदाधिकारियों से अलग के कुछ अन्य लोग चुनावी कामकाज में लगाए जाएंगे। वो चेहरे अलग होते हैं।

सो, 'जमीनी नेता' के नाम पर जो लोग संगठन में लाए गए हैं उनकी बात छोड़ दें तो कह सकते हैं कि यह एक कंजरवेटिव बदलाव है। कोई बड़ा प्रयोग करने से बचा गया है। महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने या 'जेन जी' को महत्व देने के दबाव को दरकिनार किया गया है। भरोसे के कुछ चेहरों को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया गया है, जहां से वे शीर्ष नेताओं के साथ मिल कर संगठन के लिए काम करेंगे। वर्षों तक संगठन में काम कर चुके राम माधव को वापस लाया गया है। ऐसे ही स्मृति ईरानी की वापसी हुई है। उपाध्यक्ष बना कर किनारे किए गए सौदान सिंह फिर से संयुक्त संगठन महामंत्री के तौर पर लाए गए हैं। बीएल संतोष और शिव प्रकाश की संगठन की जिम्मेदारी पहले जैसी ही रखी गई है। पिछले कई वर्षों से संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे विनोद तावड़े और सुनील बंसल को महामंत्री बनाए रखा गया है। तरुण चुघ महामंत्री पद से हटा दिए गए हैं लेकिन उनको पार्टी मुख्यालय का प्रभारी बना कर मुख्यधारा में रखा गया है।

भाजपा ने नई टीम में क्षेत्रीय संतुलन बनाने का प्रयास किया है लेकिन स्पष्ट रूप से पलड़ा चुनावी राज्यों के पक्ष में झुका हुआ दिखाई दे रहा है। चार चुनावी राज्यों से 18 पदाधिकारी बनाए गए हैं। कुल 65 पदाधिकारियों में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और गुजरात से 18 पदाधिकारी हैं। महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने का दिखावा किया गया है फिर भी उनकी हिस्सेदारी 18 फीसदी तक ही पहुंच सकी है। कुल 12 महिलाओं को टीम में रखा गया है, जिनमें से छह उपाध्यक्ष हैं। आमतौर पर उपाध्यक्षों के पास कोई काम नहीं होता है। संगठन महामंत्री, संयुक्त संगठन महामंत्री और महामंत्रियों के 11 पदों में से सिर्फ एक पद महिला को मिला है। स्मृति ईरानी महामंत्री बनाई गई हैं। सोचें, 11 में एक यानी आधी आबादी को नौ फीसदी प्रतिनिधित्व! संगठन में सबसे युवा चेहरा हेमांग जोशी का है, जो 35 साल के हैं। नितिन नबीन की नई टीम बनने के बाद जितनी चर्चा इसमें शामिल किए गए चेहरों की है उससे ज्यादा चर्चा हटा दिए गए पदाधिकारियों की है। दीपक म्हस्के कैसे सोशल मीडिया के प्रभारी बने या कैसा काम करेंगे इस सवाल से ज्यादा चर्चा इसकी है कि अमित मालवीय क्यों हटा दिए गए? हेमांग जोशी भारतीय जनता युवा मोर्चा में कैसा काम करेंगे से ज्यादा चर्चा इस बात की है तेजस्वी सूर्या को क्यों हटाया गया है और आगे उनका क्या होगा? अनिल बलूनी के साथ मीडिया टीम में आशीष उषा अग्रवाल, प्रदीप भंडारी और सिद्धार्थ यादव को लगाया गया है ये तीनों कैसा काम करेंगे इससे ज्यादा चर्चा में यह सवाल है कि संजय मयूख क्यों मीडिया टीम से हटाए गए? इन सब सवालों का जवाब आने वाले दिनों में मिलेगा।

उधर भाजपा के कई बड़े, पुराने और चर्चित नेता पुनर्वास की उम्मीद में बैठे हैं। संगठन में शामिल नहीं किए जाने से उनको निराशा हुई होगी लेकिन उनमें से बहुत से लोग अब भी उम्मीद में होंगे कि क्या पता सरकार में जगह मिल जाए। अगले कुछ दिन में मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा है। अभी प्रवक्ताओं की सूची आनी है, राष्ट्रीय कार्यकारिणी की भी घोषणा होनी है और भाजपा की सबसे बड़ी ईकाई संसदीय बोर्ड का भी पुनर्गठन होना है। कहा जा रहा है कि मार्गदर्शक मंडल का भी विस्तार हो सकता है।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज व्यापार में रुकी हुई योजनाओं को शुरू करने से आपकी व्यस्तता बढ़ेगी। आज आपको ऑफिस प्रोजेक्ट समय से पूरा करना होगा , अन्यथा आपको बॉस से डांट पड़ सकती है। आज आप लवमेट के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जाएंगे , जिससे एक-दूसरे को अधिक जानने का मौका मिलेगा।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। आज आपको फोन के माध्यम से शुभ सूचना मिल सकती है, घर में खुशी का माहौल बनेगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा और आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आप किसी काम को लेकर काफी उत्साहित रहेंगे , काम आसानी से व समय से पूरा हो जायेगा। आज आपके आय के नए रास्ते बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज साहित्य के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज परिवार के सदस्यों में आपसी सामंजस्य बना रहेगा , जिससे घर में खुशी का माहौल रहेगा। आज आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग बनाएंगे ।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आप बेवजह की उलझन से दूर होकर , आप किसी धार्मिक स्थल पर अपना समय बिताएंगे। आज बिजनेस के सिलसिले में आपकी यात्रा हो सकती है , यह यात्रा आपके लिए सुखद रहेगी। आज आप कुछ समय एकांत में रहकर अपनी अच्छाइयों और कमियों के बारे में विचार करेंगे।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए बदलाव से भरा रहेगा। आज आप अपने फैमली बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए किसी एक्सपर्ट की राय ले सकतें हैं। आज आप पड़ोस में हो रहे भजन, कीर्तन में सपरिवार सम्मिलित होंगे।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज आपको अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी समय मिले अपने काम को पूरा कर ले। इस राशि के छात्रों की नए विषयों में रुचि बढ़ेगी , जिसमें गुरुजनों का साथ मिलेगा। आज मित्रों की सहायता से आपको आय के साधन मिलेंगे, जिनसे आप लाभ कमाने में कामयाब रहेंगे और आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिये ठीक-ठाक रहेगा। आज आप नेगटिव बातें करने वाले व्यक्तियों से दूर रहें और खुद का आत्मविश्वास बनाये रखें। आज आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा , आप बच्चों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं जिससे उन्हें खुशी मिलेगी। आज आप सपनों को साकार करने के लिए काफी उत्साहित रहेंगें।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। आज आप व्यापारिक गतिविधियों को सुचारु रूप से चलाने में समर्थ रहेंगे। आपको ऐसी जगह से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहां से आपने कभी कल्पना भी नहीं की होगी।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आप अपने कार्यों में किसी और को दखल न देने दें और सब कुछ अपनी तरह से हैंडल करें। आज आपके ऊपर परिवार की जिम्मेदारी आएंगी, जिसे आप बखूबी पूरा करेंगे।

कुंभ राशि : आज का आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज आप काम व पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाये रखेंगे। आज आप किसी काम को पूरा करने के लिए नये तरीकों पर विचार करेंगे।

मीन राशि:आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज घर पर आपके अच्छे गुणों की चर्चा होगी। आज आपको पैतृक संपत्ति से धन लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। आप लंबे समय से चल रही योजना में आज कुछ नए बदलाव भी कर सकते हैं।

उपभोक्ताओं के खून में दौड़ता का मिलावट का जहर, खाद्य पदार्थ में मिलावट जघन्य अपराध।

(कठोर कानून और प्रभावी नियंत्रण की आवश्यकता)

संजीव ठाकुर,

भारत में त्योहार केवल धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं के अवसर नहीं हैं, वे परिवार, समाज और आत्मीयता को जोड़ने वाले उत्सव भी हैं। दीपावली की मिठाई हो, होली की गुझिया, रक्षाबंधन की मिठाई, जन्माष्टमी का प्रसाद अथवा किसी विवाह और सामाजिक समारोह में परोसे जाने वाले पकवान भारतीय जीवन में खाद्य पदार्थों का अपना विशेष भावनात्मक महत्व है। लगभग 141 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश में त्योहारों के दिनों में मिठाइयों और खाद्य पदार्थों की मांग अचानक कई गुना बढ़ जाती है। यही वह समय है जब कुछ असंवेदनशील व्यापारी उपभोक्ता की आस्था और विश्वास को अपने मुनाफे का माध्यम बना लेते हैं। मिलावट खोरी किसने व्यापक स्तर पर की जाती है कि यह सिर्फ दिवाली होली ही दिया क्रिसमस पर ही नहीं बल्कि रोजमर्रा के खाद्यान्न में मिलावट होती दूध में मिलावट, मसाले में मिलावट, हल्दी में मिलावट, मिर्ची में मिलावट, चाय पत्ती में मिलावट, मिलावट का यह जहर अब जनमानस की रोजमर्रा की जिंदगी के खाद्या पदार्थ में होने लगी है इससे न सिर्फ सेहत खराब होती है बल्कि लोगों की मौत तक हो जाती है। खाद्य पदार्थों में मिलावट केवल व्यापारिक बेईमानी नहीं है। यह मनुष्य के स्वास्थ्य और जीवन के साथ खिलवाड़ है। जब कोई व्यक्ति जानबूझकर दूध, खोया, घी, पनीर, तेल, मसाले अथवा मिठाइयों में ऐसी सामग्री मिलाता है जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, तब उसका अपराध सामान्य धोखाधड़ी से कहीं अधिक गंभीर हो जाता है। इसलिए खाद्य मिलावट को जघन्य सामाजिक अपराध के रूप में देखने की आवश्यकता है।भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने स्वयं स्वीकार किया है कि त्योहारों के दौरान मिठाई, नमकीन, दूध और दूध से बने उत्पादों की मांग बढ़ने के साथ मिलावट का आर्थिक प्रलोभन भी बढ़ता है।

इसी कारण प्राधिकरण राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को विशेष निगरानी तथा प्रवर्तन अभियान चलाने के निर्देश देता रहा है।

मुनाफे के लिए स्वास्थ्य से खिलवाड़

मिलावट का मूल कारण केवल लालच नहीं, बल्कि ऐसा बाजार-तंत्र भी है जिसमें उपभोक्ता को अक्सर यह पता नहीं होता कि उसने जो खरीदा है, वह वास्तव में किस गुणवत्ता का है। त्योहारों के समय मांग अधिक होती है और समय कम। दुकानों पर भीड़ होती है, ग्राहक ब्रांड और स्वाद देखकर खरीदारी करता है और उत्पादन की प्रक्रिया उसके लिए अदृश्य रहती है। यहीं मिलावटखोर अपने अवसर तलाशते हैं। दूध की जगह घटिया पदार्थ, खोये में गैर-मानक सामग्री, घी में दूसरे तेलों की मिलावट, मिठाइयों में अनधिकृत रंग, पुराने या खराब कच्चे माल का इस्तेमाल तथा स्वच्छता के मानकों की अनदेखी जैसी प्रवृत्तियां उपभोक्ता के सामने गंभीर प्रश्न खड़े करती हैं। विशेष चिंता दूध और दूध से बने उत्पादों को लेकर है, क्योंकि खोया, मावा, पनीर, घी और उनसे बनी मिठाइयां त्योहारों में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होती हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने समय-समय पर इन्हीं उत्पादों को लेकर विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। कानून है, फिर भी डर क्यों नहीं? यह कहना पूरी तरह उचित नहीं होगा कि देश में खाद्य मिलावट रोकने के लिए कानून नहीं है। वास्तव में खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 ने खाद्य सुरक्षा के लिए एक व्यापक कानूनी ढांचा बनाया है। इसका उद्देश्य खाद्य पदार्थों के निर्माण, भंडारण, वितरण और बिक्री को नियंत्रित करते हुए उपभोक्ताओं को सुरक्षित और स्वास्थ्यकर भोजन उपलब्ध कराना है। कानून में असुरक्षित खाद्य पदार्थों के लिए दंड का भी प्रावधान है। यदि असुरक्षित भोजन से कोई चोट नहीं होती तो भी दंड और कारावास का प्रावधान है गैर-गंभीर चोट, गंभीर चोट और मृत्यु की स्थिति में दंड क्रमशः अधिक कठोर होता जाता है। मृत्यु होने पर कम-से-कम सात वर्ष के कारावास से लेकर आजीवन कारावास तक और कम-से-कम दस लाख रुपये के जुर्माने का प्रावधान है। इसी प्रकार स्वास्थ्य के लिए हानिकारक मिलावटकारी पदार्थ रखने पर दस लाख रुपये तक के दंड का प्रावधान है। फिर प्रश्न उठता है यदि कानून इतना स्पष्ट है, तो मिलावट का भय समाज में पर्याप्त क्यों दिखाई नहीं देता? इसका उत्तर कानून की अनुपस्थिति से अधिक कानून के प्रभावी और निरंतर क्रियान्वयन में छिपा है।खाद्य सुरक्षा व्यवस्था केंद्र और राज्यों की संयुक्त जिम्मेदारी वाले व्यापक प्रशासनिक ढांचे में काम करती है। निरीक्षण, नमूने लेना, प्रयोगशाला परीक्षण, अभियोजन और दंड की प्रक्रिया में अनेक स्तर हैं। यदि किसी स्तर पर विलंब हुआ तो मिलावटखोर के विरुद्ध कार्रवाई की गति धीमी हो सकती है।भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के आंकड़ों से पता चलता है कि 2023-24 में केंद्रीय और राज्य स्तर पर कुल 4,39,108 प्रवर्तन नमूने लिए गए, जबकि 2022-23 में यह संख्या 1,15,273 थी। यह प्रवर्तन गतिविधि में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। लेकिन केवल नमूने लेना पर्याप्त नहीं है। नमूने कितनी तेजी से प्रयोगशाला में पहुंचते हैं, परीक्षण कितने समय में पूरा होता है, असुरक्षित उत्पाद की बिक्री तत्काल रुकती है या नहीं, दोषी के विरुद्ध मुकदमा कितनी तेजी से चलता है और अंततः दंड कब मिलता है ये सभी प्रश्न उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

K K

राष्ट्रीय समाचार

मंगलवार 25 अगस्त 2026,नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

भारत का मानसून बेहतर हुआ, खरीफ फसलों को नुकसान की आशंका में आई कमी : रिपोर्ट

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत में मानसून की स्थिति हाल के महीनों में काफी बेहतर हुई है, जिससे खरीफ फसलों को व्यापक नुकसान की आशंका कमी आई है। हालांकि, बारिश का वितरण अभी भी एक महत्वपूर्ण कारक बना हुआ है, जिस पर नजर रखना जरूरी है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म मैक्वायरी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 19 अगस्त तक संचयी बारिश की कमी घटकर 12.6 प्रतिशत रह गई है, जो जून में 35 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में कहा गया, स्थिति में सुधार हो रहा है, हालांकि यह पूरी तरह सामान्य नहीं हुई है। मानसून में सुधार का असर खरीफ फसलों की बुवाई पर भी देखने को मिला है। सीजन की कमजोर शुरुआत के बाद बुवाई में काफी सुधार हुआ है।

ब्रोकरेज के अनुसार, 14 अगस्त तक कुल खरीफ बुवाई पिछले साल के स्तर से 2 प्रतिशत कम थी, जबकि जून के अंत में यह कमी 21 प्रतिशत थी।

इसके अलावा, धान का रकबा पिछले साल की तुलना में 3.7 प्रतिशत कम रहा, जबकि मक्का का रकबा 4 प्रतिशत घटा।इसके विपरीत, दलहन, तिलहन, गन्ना और कपास का रकबा पिछले साल के स्तर से करीब 1 प्रतिशत के दायरे में रहा।मैक्वायरी ने कहा कि बुवाई में बची हुई कमी मुख्य रूप से कुछ चुनिंदा फसलों तक सीमित है और यह व्यापक स्तर पर नहीं है।इसके अलावा, जलाशयों में पर्याप्त जल स्तर भी बारिश की कमी के खिलाफ सुरक्षा कवच प्रदान कर रहा है। महाराष्ट्र और गुजरात में जलाशयों में पानी का भंडारण 10 साल के औसत स्तर के बराबर या उससे अधिक है। वहीं, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पंजाब जैसे प्रमुख कृषि राज्यों में जल भंडारण उनके संबंधित औसत स्तर का करीब 80-100 प्रतिशत है।

हालांकि, बिहार और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों पर करीबी नजर रखने की जरूरत है।

रिपोर्ट के अनुसार, मानसून में सुधार, कुल बुवाई में सीमित कमी और पर्याप्त सिंचाई भंडार ने मिलकर खरीफ उत्पादन में गिरावट के जोखिम को कम कर दिया है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया कि मानसून की प्रगति महंगाई के लिहाज से भी सकारात्मक है। जून के स्तर की तुलना में खाद्य आपूर्ति और महंगाई से जुड़े जोखिम कम हो रहे हैं।

नई दिल्ली में बारिश के बाद, लोग पानी से भरे ज़ाकिर हुसैन मार्ग से अपनी गाड़ियाँ गुज़ार रहे हैं।

सिहेश्वर धाम में सावन की चौथी सोमवारी पर मची भगदड़, दर्जन भर श्रद्धालु और कई पुलिसकर्मी घायल

मधेपुरा,(आरएनएस)। सावन महीने की चौथी सोमवारी पर शिवभक्तों की भारी भीड़ के बीच मधेपुरा के प्रसिद्ध बाबा सिंहेश्वर धाम में एक दर्दनाक हादसा हो गया। भगवान भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक की आतुरता में अचानक ऐसी अफरातफरी मची कि मंदिर परिसर में भगदड़ जैसे हालात पैदा हो गए। इस भीषण हादसे में जहां एक दर्जन से अधिक श्रद्धालु घायल हुए हैं, वहीं भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश में कई पुलिसकर्मी भी चोटिल हो गए। आनन-फानन में सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां एक श्रद्धालु की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है।

मुख्यद्वार खुलते ही मच गई चीख-पुकार

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बाबा सिंहेश्वरनाथ मंदिर में आधी रात करीब साढ़े बारह बजे सरकारी पूजा-अर्चना संपन्न हुई। इसके बाद रात एक बजे शिवभक्तों के दर्शन के लिए मंदिर के पट खोल दिए गए। शुरुआत में लोगों को बाहरी परिसर स्थित मुख्यद्वार के बगल वाले रास्ते से कतार में अंदर भेजा जा रहा था। लेकिन जैसे-जैसे सुबह करीब आती गई, भक्तों की भीड़ बेकाबू होने लगी। भीड़ के भारी दबाव को देखते हुए तड़के करीब चार बजे जैसे ही मंदिर का मुख्यद्वार खोला गया, पहले दर्शन करने की होड़ में अचानक भगदड़ मच गई।

मुख्यद्वार खुलने के बाद लगभग 15 मिनट तक मंदिर परिसर में खौफनाक अफरातफरी और चीख-पुकार का माहौल रहा। इसी दौरान भीड़ के धक्के से ग्रिल से टकराकर गिरने के कारण एक श्रद्धालु के सिर में गंभीर फ्रैक्चर हो गया है, जिसकी स्थिति नाजुक बताई जा रही है।

रक्षा मंत्रालय में तैनात गर्भवती महिला अधिकारी की फंदे से लटकी मिली लाश, 4 महीने पहले ही हुई थी शादी

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश की राजधानी दिल्ली के द्वारका इलाके से एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है। रक्षा मंत्रालय में असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर के पद पर कार्यरत 30 वर्षीय नाजिया खानम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। महज चार महीने पहले दुल्हन बनीं और तीन महीने की गर्भवती नाजिया का शव फांसी के फंदे से लटका मिला। इस खौफनाक घटना के बाद जहां पति ने इसे आत्महत्या बताया है, वहीं मृतका के परिवार ने ससुराल वालों पर दहेज प्रताड़ना और हत्या के बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसने पुलिस महकमे में भी हड़कंप मचा दिया है।

खुशियों से शुरू हुआ सफर कुछ महीनों में खौफ में बदला

जानकारी के मुताबिक, रक्षा मंत्रालय में तैनात नाजिया खानम का निकाह इसी साल 11 अप्रैल को अजम अली खान के साथ बड़े अरमानों से हुआ था। लेकिन, परिवार का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल का माहौल नर्क बन गया। नाजिया के पिता तवाब खान ने पुलिस को दिए अपने बयान में आरोप लगाया है कि उनकी बेटी को पति अजम, सास सामिन निशा, ससुर बाबर अली खान और ससुराल के अन्य सदस्यों द्वारा लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। परिजनों का कहना है कि नाजिया अक्सर फोन पर रोते हुए गाली-गलौज, मारपीट और घर से निकालने व जान से मारने की धमकियों का जिक्र करती थी। कई बार शिकायत के बावजूद ससुराल वालों के रवैये में कोई सुधार नहीं आया।

साल में 3 एलपीजी सिलेंडर मुफ्त, महिलाओं के लिए डीलक्स बस भी फ्री, तमिलनाडु सीएम विजय का नया ऐलान

नई दिल्ली/चेन्नई (आरएनएस)। तमिलनाडु में महिलाओं के लिए बड़ी राहत का ऐलान किया गया है। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को विधानसभा में कई नई कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की। इसके तहत राज्य की महिलाओं को हर साल तीन मुफ्त एलपीजी सिलेंडर दिए जाएंगे। इसके अलावा महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना का दायरा भी बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री विजय ने बताया कि 'अन्नापूरणई सुपर सिक्स' योजना के तहत सालाना 2.5 लाख रुपये से कम आय वाले परिवारों को हर वर्ष तीन मुफ्त एलपीजी सिलेंडर मिलेंगे। यह योजना अगले साल जनवरी में पोंगल के अवसर पर शुरू की जाएगी।सरकार सिलेंडर खरीदने में खर्च होने वाली राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में ट्रांसफर करेगी। सरकार का अनुमान है कि इस योजना से करीब 1.30 करोड़ परिवारों को लाभ मिलेगा। इस पर हर साल लगभग 4,000 करोड़ रुपये खर्च होने की संभावना है। विधानसभा में मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र में युद्ध जैसी परिस्थितियों और LPG सिलेंडर की बढ़ती कीमतों के कारण आम लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ा है। उन्होंने कहा कि वित्तीय चुनौतियों के बावजूद सरकार जनता से किए गए वादे को पूरा करने और लोगों का आर्थिक बोझ कम करने के लिए LPG सिलेंडर का खर्च वहन करेगी।

दिल्ली-NCR में मूसलाधार बारिश से सड़कों पर भारी जलभराव, 14 FLIGHTS डायवर्ट; भीषण जाम में फंसे लोग

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश की राजधानी दिल्ली और इससे सटे एनसीआर के इलाकों में मौसम ने अचानक ऐसा रौद्र रूप दिखाया कि पूरी रफ्तार पर ही ब्रेक लग गया। सोमवार सुबह हुई महज कुछ घंटों की मूसलाधार बारिश ने ड्रेनेज सिस्टम और प्रशासन के तमाम दावों की पोल खोल कर रख दी है। एक तरफ जहां आसमान में खराब मौसम के कारण उड़ानों के पहिए थम गए और कई विमान हवा में भटकते रहे, वहीं दूसरी तरफ जमीन पर जलभराव ने सड़कों को दरिया में तब्दील कर दिया। भारी ट्रैफिक जाम में फंसे मुसाफिर बेहाल नजर आए। मौसम विभाग ने आगे के लिए भी रेड और येलो अलर्ट जारी कर दिल्लीवासियों की चिंताएं और बढ़ा दी हैं।

आसमान में आफत, 14 फ्लाइट्स को किया गया डायवर्ट

मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं का सबसे ज्यादा असर हवाई यातायात पर देखने को मिला है। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विमानों का संचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। खराब मौसम के कारण अब तक 14 उड़ानों को उनके तय रूट से डायवर्ट करना पड़ा है, जिनमें दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी शामिल हैं। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इनमें से 12 उड़ानों को दिल्ली से सीधे जयपुर एयरपोर्ट की तरफ मोड़ दिया गया है।मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि इलाके में 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, बिजली कड़कने और आंधी-तूफान आने की पूरी संभावना है। इस विकट स्थिति को देखते हुए स्पाइसजेट, एयर इंडिया और इंडिगो सहित कई प्रमुख एयरलाइंस ने यात्रियों के लिए विशेष एडवाइजरी जारी की है। एयरलाइंस ने स्पष्ट किया है कि खराब मौसम का असर दिनभर की अन्य उड़ानों पर भी पड़ सकता है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले अपनी फ्लाइट का ताजा स्टेटस जरूर चेक कर लें, ताकि उन्हें एयरपोर्ट पर इंतजार और परेशानी का सामना न करना पड़े। आसमान से बरसी इस आफत ने दिल्ली-एनसीआर की सड़कों को भी भयंकर जाम के जंजाल में धकेल दिया है।

मुंबई में द्रोणाचार्य अवॉर्डी जिम्नास्टिक कोच के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज

मुंबई,(आरएनएस)। मुंबई में द्रोणाचार्य अवार्ड से सम्मानित जिम्नास्टिक कोच के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। 45 वर्षीय जिम्नास्टिक कोच पर 16 वर्षीय छात्रा से छेड़छाड़ करने का आरोप है। फिलहाल, मामला दर्ज करने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। आरोपी जिम्नास्टिक कोच मुंबई के विले पार्ले इलाके में रहते हैं। मुंबई पुलिस की ओर से दर्ज एफआईआर में नाबालिग ने बताया कि शुक्रवार सुबह वह घर पर पढ़ाई कर रही थी, तभी कोच ने उसे व्हाट्सऐप पर मैसेज भेजा। उसने भी मैसेज का जवाब दिया और अपनी मां को इस बातचीत के बारे में बताया। पुलिस के अनुसार, इसके बाद मां ने बेटी से कहा कि वह कोच से पूछे कि उन्होंने उसे मैसेज क्यों किया? इसके बाद कोच ने मैसेज कर पूछा, तुम कहां हो? अगर फ्री हो तो जिम्नेजियम में मुझसे मिलने आओ। छात्रा को लगा कि कोच को उससे कोई काम होगा। वह कई सालों से जिम्नास्टिक सीख रही है, इसलिए उसने जवाब दिया, मैं घर पर हूं, सर। मैं आती हूं।

जिम्नेजियम पहुंचने पर छात्रा ने देखा कि कोच वहां अकेले थे। आरोप है कि कोच ने उसे अपनी चप्पल अंदर लाने और दरवाजा अंदर से बंद करने के लिए कहा। केवल, इतना ही नहीं नाबालिग का यौन शोषण करने की भी कोशिश की। इसके बाद पीड़िता वहां से जाने लगी तो कोच ने कहा कि जो कुछ भी हुआ वह हमारे बीच रहना चाहिए हालांकि, पीटी टीचर की मदद से नाबालिग ने मुंबई के विले पार्ले पुलिस स्टेशन में अपनी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज करते हुए जांच शुरू की है।

यूपी चुनाव : मुस्लिम प्रभावी सीटों पर ओवैसी का फोकस, गठबंधन की राह नहीं बनी तो अकेले मैदान में कूदने की तैयारी

लखनऊ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव-2027 को लेकर सभी राजनीतिक दल अपनी तैयारियों में जुटे हैं। इस बीच आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) भी प्रदेश में अपना सियासी खाता खोलने की कोशिश में जुट गई है। पार्टी की पहली प्राथमिकता गठबंधन है, लेकिन सीटों के बंटवारे पर सहमति नहीं बनी तो एआईएमआईएम अकेले चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी उत्तर प्रदेश के चुनावी महत्व को समझते हैं। यही वजह है कि पार्टी उन विधानसभा क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दे रही है, जहां मुस्लिम मतदाता चुनावी नतीजों को प्रभावित करने की स्थिति में हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश से लेकर तराई क्षेत्र के बहराइच तक ओवैसी खुद दौरा कर पार्टी की संभावनाओं का जायजा ले चुके हैं। पार्टी ने फिलहाल प्रयागराज, बहराइच, सहारनपुर, मुरादाबाद, रामपुर और अमरोहा की कई विधानसभा सीटों पर अपनी गतिविधियां बढ़ाई हैं। इन क्षेत्रों में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। पार्टी की कोशिश चुनाव से पहले ऐसे इलाकों में अपना सियासी आधार मजबूत करने की है, जहां मुस्लिम मतदाताओं की संख्या चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकती है। गठबंधन को लेकर तस्वीर अभी साफ नहीं है। ऐसे में एआईएमआईएम ने अपने विकल्प खुले रखे हैं। पार्टी नेताओं के मुताबिक, यदि किसी दल के साथ गठबंधन नहीं होता है तो एआईएमआईएम अपने दम पर करीब 200 से 250 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर सकती है।

वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक वीरेंद्र सिंह रावत कहते हैं कि एआईएमआईएम को उत्तर प्रदेश में वर्ष 2023 के निकाय चुनाव के प्रदर्शन से राजनीतिक आधार मजबूत करने का अवसर मिला। पार्टी के कई प्रत्याशियों ने स्थानीय निकाय चुनाव में जीत हासिल कर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी। अब एआईएमआईएम इसी स्थानीय चुनावी सफलता को विधानसभा चुनाव तक ले जाने की रणनीति पर काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश से लेकर अवध और पूर्वांचल के कई हिस्सों में मुस्लिम मतदाताओं की भूमिका चुनावी नतीजों के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जाती है। ऐसे में यदि एआईएमआईएम इन क्षेत्रों में अपना जनाधार बढ़ाने में सफल रहती है तो उसका असर केवल उसके वोट प्रतिशत तक सीमित नहीं रह सकता, बल्कि समाजवादी पार्टी के चुनावी समीकरण पर भी पड़ सकता है। हालांकि, पिछले विधानसभा चुनावों में एआईएमआईएम का प्रदर्शन प्रभावी नहीं रहा है और पार्टी अब तक विधानसभा में अपना खाता नहीं खोल सकी है।

वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक हुज्जत रजा के मुताबिक, उत्तर प्रदेश की राजनीति में यदि ओवैसी की एआईएमआईएम गठबंधन से बाहर रहकर चुनाव लड़ती है तो उसका असर मुख्य रूप से विपक्षी मतों के बंटवारे के रूप में सामने आ सकता है, जिसका लाभ भाजपा को मिलने की संभावना रहेगी। वहीं, यदि सपा-कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्षी गठबंधन एआईएमआईएम को साथ लेता है तो चुनावी तस्वीर अलग हो सकती है और विपक्ष को इसका लाभ मिल सकता है।

राहुल गांधी पर योगी का तीखा हमला, बोले-भारत की परंपरा और विरासत को कोसना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं

रायबरेली,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रायबरेली के सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के मनुस्मृति संबंधी बयान को लेकर उन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के रूप में देश को उनसे बहुत अपेक्षा नहीं है, लेकिन भारत की संसद में नेता प्रतिपक्ष के पद पर होने के नाते उनकी लोकतंत्र और संविधान के प्रति जवाबदेही है। इसके बावजूद वह भारत की परंपरा और विरासत को कोसना अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं। रायबरेली में वीर सेनानायक राणा बेनी माधव बख्श सिंह की जयंती पर आयोजित भाव समर्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पिछले दिनों महाराष्ट्र में राहुल गांधी का एक बयान पढ़ा, जिसमें उन्होंने कहा था कि महिलाएं मनुस्मृति के बंधन को तोड़कर बाहर आएं। योगी ने कहा, राहुल जी, राहुल गांधी के रूप में देश आपसे बहुत अपेक्षा नहीं करता लेकिन भारत की संसद में नेता प्रतिपक्ष के रूप में आपको देश के लोकतंत्र के प्रति जवाबदेह बनाता है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने संविधान की शपथ ली है, लेकिन इसके बावजूद वह भारत की परंपरा और विरासत को कोसना अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी उत्तर प्रदेश से बाहर जाते हैं तो प्रदेश को लांछित और अपमानित करते हैं और भारत से बाहर जाते हैं तो देश का अपमान करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की सेना जब सीमाओं पर दुश्मनों से लड़ती है तो राहुल गांधी सेना के जवानों से प्रमाण मांगते हैं। आतंकवाद के खिलाफ देश की लड़ाई में भी वह देशद्रोही तत्वों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहित करते हैं।

योगी ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम के अस्तित्व पर भी कांग्रेस की ओर से प्रश्न खड़े किए गए। उन्होंने राहुल गांधी की लोकतंत्र के प्रति निष्ठा पर सवाल उठाते हुए कहा कि देश 1975 में आपातकाल की काली छाया देख चुका है। मुख्यमंत्री ने मनु और भारतीय परंपरा के संदर्भ में कहा कि यदि राहुल गांधी को मनु के बारे में जानना है तो उन्हें अथर्ववेद, शतपथ ब्राह्मण और मत्स्य पुराण पढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की परंपरा और मूल्यों को विस्मृत करने वाला समाज अपने भविष्य का निर्माण नहीं कर सकता।

योगी ने कहा कि आज देश जिस आजादी का अनुभव कर रहा है, उसके पीछे अनगिनत लोगों का बलिदान है। इसी बलिदानी परंपरा में वीर सेनानायक राणा बेनी माधव बख्श सिंह का महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने कहा कि जो चिंगारी बैरकपुर में मंगल पांडेय ने जलाई, उसे मेरठ में धनसिंह गुर्जर ने आगे बढ़ाया और नाना साहब व तात्या टोपे ने कानपुर के बिठूर से उसे नई ज्वाला का रूप दिया।

उन्होंने कहा कि झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ने इस संघर्ष को आगे बढ़ाया और अवध में इस लड़ाई का नेतृत्व राणा बेनी माधव ने किया।

अमरावती अग्निकांडः सीएम फडणवीस ने दिए उच्च स्तरीय जांच के आदेश, पीड़ित परिवारों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा

मुंबई, (आरएनएस)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अमरावती के जिला महिला अस्पताल में आग लगने से तीन नवजातों की मौत पर दुख जताया है। उन्होंने घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही, सीएम फडणवीस ने पीड़ित परिवारों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अमरावती के जिला महिला अस्पताल में कल रात लगी आग में तीन बच्चों की मौत की घटना बेहद दुखद और हृदयविदारक है। हम उनके परिवारों के दुख में शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस घटना की उच्चस्तरीय जांच के आदेश स्वास्थ्य प्रशासन को दिए गए हैं। इस घटना के दोषियों पर कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री और सचिव दोनों को आज ही अमरावती का दौरा करने के लिए कहा गया है। साथ ही, मुख्यमंत्री फडणवीस ने पोस्ट में लिखा, मृतकों के परिजनों को राज्य सरकार की ओर से 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। घायल बच्चों का इलाज सरकारी खर्च पर करने के निर्देश भी अमरावती जिलाधिकारी को दिए गए हैं। सौभाग्य से इस घटना में 36 बच्चों को सुरक्षित बचाने में सफलता मिली है।उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार ने भी इस घटना पर संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा, अमरावती के जिला महिला अस्पताल के नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई में तड़के लगी आग में नवजात शिशुओं की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु की घटना बेहद पीड़ादायक है।

हवा में खिलौने की तरह उड़े हवाई जहाज, इटली में 120 किमी/घंटा की रफ्तार से आए तूफान ने मचाई तबाही

फोर्ली (ए.)। कुदरत के कहर के आगे इंसान की बनाई हर मशीन और तकनीक कैसे बेबस हो जाती है, इसका एक खौफनाक नजारा इटली में देखने को मिला है। यहां आए एक भयानक तूफान ने फोर्ली शहर के एयरपोर्ट पर ऐसी तबाही मचाई कि जमीन पर खड़े विमान भी तिनके की तरह हवा में उड़ने लगे। 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली इन तूफानी हवाओं ने न सिर्फ एयरपोर्ट के बुनियादी ढांचे को तहस-नहस कर दिया, बल्कि कई विमानों को पलटकर चकनाचूर कर दिया। इस तबाही का मंजर इतना भयानक था कि सुरक्षा के मद्देनजर पूरे एयरपोर्ट को ही बंद करना पड़ गया।

हवा में उछलकर जमीन पर गिरे विमान

इटली के लुइजी रिडोल्फी एयरपोर्ट पर 21 अगस्त को आए इस विनाशकारी तूफान के हैरान कर देने वाले वीडियो अब सामने आए हैं, जो इसकी भयावहता की गवाही दे रहे हैं। इन फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि कैसे तेज और खूंखार हवाओं ने वहां खड़े कई हल्के और अल्ट्रालाइट विमानों को उनकी जगह से उखाड़ फेंका। देखते ही देखते चार विमान हवा में बुरी तरह उछलते, पलटते और फिर जमीन पर धड़ाम से गिरते नजर आए। छोटे और हल्के

विमान अपने कम वजन और चौड़ी सतह के कारण इस बवंडर का सबसे ज्यादा शिकार हुए। इस घटना ने साबित कर दिया है कि गर्मियों के मौसम में अचानक उठा बवंडर कितनी जल्दी एविएशन सेक्टर के लिए बड़ा खतरा बन सकता है।

तूफान की ताकत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हवाओं ने एयरपोर्ट की मजबूत इमारतों को भी नहीं बख्शा। यात्रियों के अराइवल एरिया में लगी छत का एक बड़ा हिस्सा तेज हवाओं के थपेड़ों से फटकर अलग हो गया। हालात इतने बेकाबू हो गए कि तुरंत दमकल विभाग और रेस्क्यू टीमों को मौके पर बुलाना पड़ा। यात्रियों और एयरपोर्ट स्टाफ की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से एयरपोर्ट को करीब एक घंटे के लिए पूरी तरह बंद कर दिया। हालांकि, इस भयानक प्राकृतिक आपदा के बीच सबसे बड़ी राहत की बात यह रही कि किसी भी इंसान के जान गंवाने या घायल होने की कोई खबर नहीं है।

यह तूफान इटली के कई हिस्सों में चल रहे भयंकर खराब मौसम के बड़े दौर का ही एक हिस्सा था। फोर्ली-चेसेना और रावेन्ना प्रांतों के साथ-साथ लिगुरिया, लोम्बार्डी और एमिलिया-रोमाग्ना जैसे बड़े क्षेत्र भी इसकी चपेट में आ गए। टस्कनी में तो कुदरत का ऐसा रौद्र रूप दिखा कि वहां तूफान के दौरान 23,000 से ज्यादा बार आसमानी बिजली गिरने की घटनाएं दर्ज की गईं। पीसा और फ्लोरेंस के तटीय इलाकों में हवाओं की रफ्तार 103 से 106 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई। भारी बारिश के चलते कई जगहों पर बाढ़ के हालात बन गए, बड़े-बड़े पेड़ उखड़ गए और बिजली गुल हो गई। इस महाविनाश से निपटने और व्यवस्था को दोबारा पटरी पर लाने के लिए फायर ब्रिगेड को 150 से ज्यादा बार मदद के लिए दौड़ना पड़ा।

ईरान के खिलाफ अमेरिका का 'इकोनॉमिक डी-डे', तेहरान बोला-तेल की एक बूंद भी नहीं देंगे; बढ़ा तनाव

वॉशिंगटन/तेहरान (उत्तम हिन्दू न्यूज) = अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अब आर्थिक मोर्चे पर भी तेजी से बढ़ता दिखाई दे रहा है। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ईरान के खिलाफ अपने अभियान के 'आखिरी चरण' में पहुंच गया है। उन्होंने ईरान की आर्थिक जीवन-रेखाओं को काटने के मकसद से 'इकोनॉमिक डी-डे' शुरू करने का ऐलान किया। बेसेंट के मुताबिक, यह किसी दुश्मन देश के खिलाफ अमेरिका की ओर से किया जाने वाला अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय हमला होगा।बेसेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को खत्म कर दिया है, उसकी लगभग 100 प्रतिशत सैन्य फैक्ट्रियों को नष्ट किया है और उसके परमाणु कार्यक्रम को खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा कि अब अभियान आखिरी चरण में प्रवेश कर रहा है और आर्थिक मोर्चे पर बड़ा हमला शुरू किया जाएगा।बेसेंट ने ईरान पर सुरक्षा गारंटी का इस्तेमाल 'वसूली' के तौर पर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तेहरान इस धारणा पर टिका हुआ था कि ईरानी जवाबी कार्रवाई तय है, जबकि अमेरिकी सख्ती पर बातचीत की जा सकती है। उनके मुताबिक, ट्रंप के कार्यकाल में यह दौर खत्म हो चुका है।

अमेरिका के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर अचानक खत्म हो गया एविएशन फ्यूल, रनवे पर फंसे दर्जनों प्लेन; मचा हड़कंप

न्यूयॉर्क (ए.)। हवाई सफर को दुनिया का सबसे सुरक्षित और तेज माध्यम माना जाता है, लेकिन जरा सोचिए अगर किसी चालू इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर अचानक तेल ही खत्म हो जाए तो क्या होगा? अमेरिका से

एक ऐसा ही हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसने एविएशन इंडस्ट्री में हड़कंप मचा दिया है। यहां के एक प्रमुख एयरपोर्ट पर एविएशन फ्यूल (विमान का तेल) पूरी तरह से खत्म हो गया है। हालात इतने बेकाबू हो गए हैं कि रनवे पर खड़े विमानों को आगे बढ़ने से रोक दिया गया है और हवा में उड़ रहे विमानों को तुरंत अलर्ट भेजा जा रहा है।

बफेलो नियाग्रा एयरपोर्ट पर गहराया संकट

यह चौंकाने वाली घटना अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य स्थित चीकटोवागा शहर के बफेलो नियाग्रा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की है। फ्यूल खत्म हो जाने के कारण यहां मौजूद किसी भी विमान में रिफ्यूलिंग यानी ईंधन भरने का काम पूरी तरह से ठप पड़ गया है।

जो प्लेन उड़ान भरने के लिए तैयार थे, उन्हें रनवे पर ही रोक दिया गया है। इस अप्रत्याशित संकट को देखते हुए अधिकारियों ने तुरंत प्रभाव से 'NOTAMÓ (नोटिस टू एयर मिशन्स) जारी कर दिया है। आपको बता दें कि अमेरिका में जब भी हवाई रास्ते या एयरस्पेस में कोई असामान्य स्थिति पैदा होती है, तो पायलटों को उड़ान से पहले या हवा में सतर्क करने के लिए यह नोटिस जारी किया जाता है।

रात के अंधेरे में आई मौत, कचरे के पहाड़ ने ली 30 लोगों की जान; एक मां ने पल भर में खो दिए अपने 5 बच्चे

कोनाक्री ,(आरएनएस)। पश्चिमी अफ्रीकी देश गिनी की राजधानी कोनाक्री में प्रकृति और सिस्टम की लापरवाही का ऐसा कहर बरपा जिसने पल भर में कई परिवारों की दुनिया उजाड़ दी। यहां भारी बारिश के बाद एक विशालकाय कचरे के डंपिंग यार्ड के अचानक ढह जाने से इसके आसपास बसी झुग्गियों और टेंट में सो रहे लोग जिंदा दफन हो गए। इस भीषण हादसे में अब तक 30 लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है, जबकि दर्जनों लोग घायल हैं। रातों-रात हुए इस खौफनाक भूस्खलन ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है।

गहरी नींद में सो रहे लोगों पर टूटा कहर

सरकार द्वारा जारी की गई जानकारी के अनुसार, यह भयानक हादसा कोनाक्री के ग्बेसिया इलाके में तड़के करीब दो बजे हुआ। जब पूरा इलाका गहरी नींद में था, तभी लगातार हो रही बारिश के कारण कचरे का विशाल पहाड़ भरभरा कर गिर पड़ा। इस तबाही की चपेट में आने से 30 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी, वहीं छह लोग गंभीर रूप से घायल हैं और 16 अन्य को मामूली चोटें आई हैं। घटना की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मलबा इतना ज्यादा था कि इसमें कई इमारतें और मकान आसानी से दब सकते थे। फिलहाल बचाव दल भारी मशीनों के जरिए मलबे को हटाने और फंसे हुए लोगों को निकालने की जद्दोजहद में लगा हुआ है।

न्यूजीलैंड में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया पर लगेगा बैन! नियम तोड़ने पर कंपनियों पर भारी जुर्माना

वेलिंगटन (ए.) ।बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए न्यूजीलैंड सरकार सोशल मीडिया को लेकर बड़ा और कड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की पार्टी संसद में एक नया बिल पेश करने जा रही है, जिसमें 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है। नियमों का उल्लंघन करने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उनके वैश्विक राजस्व का 10 प्रतिशत तक जुर्माना लगाया जा सकता है।प्रस्तावित कानून के तहत सोशल मीडिया कंपनियों को यह सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाने होंगे कि 16 साल से कम उम्र के बच्चे उनके प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल न कर सकें। इसके लिए कंपनियां मौजूदा अकाउंट की जानकारी, फेशियल रिकग्निशन तकनीक और डिजिटल पहचान से जुड़े दस्तावेजों का इस्तेमाल कर सकती हैं।

प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने कहा कि न्यूजीलैंड के बच्चों की एक पूरी पीढ़ी को सोशल मीडिया से हो रहे नुकसान को स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया बच्चों को हानिकारक कंटेंट और लत लगाने वाली तकनीक के संपर्क में ला रहा है।लक्सन के मुताबिक, बच्चों पर ऐसा दबाव पड़ रहा है जिससे निपटने के लिए वे मानसिक रूप से तैयार नहीं हैं। इसका नकारात्मक असर उनके पारिवारिक जीवन, मानसिक स्वास्थ्य, नींद और पढ़ाई पर पड़ रहा है।हालांकि, बिल को संसद में पर्याप्त समर्थन मिलने को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। लक्सन सरकार की गठबंधन सहयोगी न्यूजीलैंड फर्स्ट पार्टी ने प्रस्तावित कानून का समर्थन करने से इनकार कर दिया है।न्यूजीलैंड फर्स्ट के नेता और विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर कहा कि उन्हें इस प्रस्तावित कानून और इसकी दिशा को लेकर गंभीर चिंताएं हैं। उनका कहना है कि ऐसा कानून देश को गलत दिशा में ले जा सकता है।गौरतलब है कि दिसंबर 2025 में ऑस्ट्रेलिया 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लागू करने वाला दुनिया का पहला देश बना था। वहां टिकटॉक, इंस्टाग्राम और फेसबुक समेत कई प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नाबालिगों के लिए पाबंदी लगाई गई।पीटर्स ने ऑस्ट्रेलिया के इस कदम का हवाला देते हुए वहां लागू कानून को बड़ी विफलता करार दिया। उनका तर्क है कि बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने की जिम्मेदारी सरकार की बजाय माता-पिता की होनी चाहिए।विपक्ष और गठबंधन सहयोगी की आपत्तियों के बीच प्रधानमंत्री लक्सन ने माना कि इस योजना को लागू करना आसान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सरकार हर बच्चे को सोशल मीडिया से पूरी तरह दूर रखने में सफल नहीं हो पाएगी और कुछ बच्चे प्रतिबंध से बचने का रास्ता तलाश सकते हैं।हालांकि, उन्होंने साफ किया कि बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ा यह मुद्दा इतना महत्वपूर्ण है कि सरकार बिना कोशिश किए इसे छोड़ नहीं सकती।

फीचर

सनस्क्रीन स्टिक का इस्तेमाल करते समय इन 5 बातों का रखें ध्यान, होगा फायदा

सनस्क्रीन स्टिक एक नए प्रकार की सनस्क्रीन है, जिससे आप अपनी त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचा सकते हैं। यह छोटी स्टिक के आकार की होती है और इसे आसानी से त्वचा पर लगाया जा सकता है। हालांकि, इसे सही तरीके से इस्तेमाल करना जरूरी है, ताकि आपको इसका पूरा फायदा मिल सके। आइए जानते हैं कि सनस्क्रीन स्टिक का इस्तेमाल करते समय आपको किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

त्वचा को साफ करें

सनस्क्रीन स्टिक का उपयोग करने से पहले त्वचा को अच्छे से साफ कर लें। इसके लिए हल्के फेसवॉश का उपयोग करें, जिससे आपकी त्वचा से गंदगी और तेल निकल जाए।इसके बाद टॉवल से हल्के हाथों से थपथपाकर सुखाएं। साफ त्वचा पर ही सनस्क्रीन स्टिक लगानी चाहिए, क्योंकि इससे यह बेहतर तरीके से काम करती है और आपकी त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचा सकती है।हर इस्तेमाल से पहले सनस्क्रीन स्टिक को भी एक बार पोंछ लें।

सही मात्रा में लगाएं

सनस्क्रीन स्टिक लगाते समय सही मात्रा में उपयोग करना बहुत जरूरी है। आमतौर पर एक-2 बार पूरे चेहरे पर

इसे लगाना पर्याप्त होता है।इसे हल्के हाथों से घुमाते हुए अपने चेहरे पर लगाएं, ताकि हर जगह अच्छी तरह से कवर हो सके। ध्यान रखें कि ज्यादा मात्रा में लगाने से त्वचा चिपचिपी हो सकती है और इसका असर भी कम हो सकता है।इसलिए, हमेशा संतुलित मात्रा में ही सनस्क्रीन स्टिक का उपयोग करें।

समय-समय पर दोहराएं

सूरज की किरणें लगातार आपकी त्वचा पर असर डालती रहती हैं, इसलिए हर 2 घंटे बाद सनस्क्रीन स्टिक को दोहराना जरूरी होता है।खासकर अगर आप बाहर लंबे समय तक रह रहे हों या पसीना आ रहा हो तो इसे जरूर दोहराएं। इससे आपकी त्वचा हर समय सुरक्षित रहेगी और आपको सनबर्न जैसी समस्याओं से बचाव मिलेगा।

इस तरह सही तरीके से सनस्क्रीन स्टिक का उपयोग करके आप अपनी त्वचा को स्वस्थ और सुरक्षित रख सकते हैं।

गर्दन और कानों को न भूलें

अक्सर लोग केवल चेहरे तक ही सीमित रहते हैं और गर्दन और कानों को नजरअंदाज कर देते हैं। हालांकि, ये हिस्से भी धूप के संपर्क में आते हैं और जलन या काले धब्बों का शिकार बन सकते हैं।इसलिए, जब भी आप सनस्क्रीन स्टिक लगाएं तो अपनी गर्दन और कानों पर भी ध्यान दें।इन हिस्सों पर भी समान रूप से सनस्क्रीन स्टिक लगाएं, ताकि ये सुरक्षित रहें और किसी भी तरह की समस्या से बच सकें।

मेकअप के साथ कैसे उपयोग करें?

अगर आप मेकअप करती हैं तो उसके ऊपर भी सनस्क्रीन स्टिक लगाना आसान होता है।इसके लिए पहले अपनी त्वचा की देखभाल पूरी करें, फिर हल्का मेकअप करें और अंत में हल्का-सा टचअप करने के बाद सनस्क्रीन स्टिक लगाएं।इससे आपका मेकअप भी खराब नहीं होगा और आपकी त्वचा सुरक्षित रहेगी। इस तरह सही तरीके से सनस्क्रीन स्टिक का उपयोग करके आप अपनी त्वचा को स्वस्थ और सुरक्षित रख सकते हैं।

फिल्म मैक्स में मेरा किरदार पिछले किरदारों से काफी ग्लैमरस है : विधात्री बंदी

अभिनेत्री विधात्री बंदी ने फीचर फिल्म मैक्स, मिन और मियोज्स्की में कैरोल सेक्रेराका महत्वपूर्ण किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने बताया कि ये किरदार उन्हें किस तरह से मिला है। उन्होंने बताया कि असल में वे किसी और किरदार के लिए ऑडिशन देने के लिए गई थी। उसी दौरान उन्हें कैरोल सेक्रेराका के किरदार के बारे में पढने का मौका मिला था, जिसके उन्होंने इसे करने के लिए मैनिफेस्ट किया था। उन्होंने कहा, असल में, मैं मिन का ऑडिशन देने के लिए गई थी, लेकिन जब मुझे फिल्म का सारांश दिया गया, तो मैंने उसमें कैरोल सेक्रेराका के बारे में पढ़ा था। उसका किरदार इस तरह से लिखा हुआ था कि उसे पढ़कर मुझे उससे तुरंत जुड़ाव महसूस हुआ, जिसके बाद मैंने सोचा कि अगर इस किरदार के लिए मुझे ऑडिशन देने का मौका मिले, तो मैं जरूर दूंगी। लेकिन मैंने ये बात बस अपने तक ही रखी और किसी को नहीं बताई थी। 2 दिन बाद कास्टिंग टीम से फोन आया कि डायरेक्टर्स चाहते हैं कि मैं कैरोल के लिए ऑडिशन दूं। फिर मैंने ऑडिशन दिया और तुरंत मेरा सिलेक्शन हो गया। सेलेक्ट होने के बाद पैडी ने मुझे पूरी कहानी सुनाई। उस दिन शायद पहली बार ऐसा हुआ कि मैं अजनबियों के सामने रो पड़ी थी, क्योंकि फिल्म ने मेरे दिल को छू लिया था। उसी वक्त मुझे पक्का हो गया था कि मुझे ये फिल्म करनी ही है।अभिनेत्री ने अपने पिछले किरदारों के लुक की तुलना इस किरदार से करते हुए कहा कि कैरोल सेक्रेराका का किरदार उनके पिछले किरदारों से ज्यादा ग्लैमरस है। उन्होंने कहा, फिल्म जलसा में मैंने एक मलयाली पत्रकार का रोल किया था। उसमें मेरा लहजा बहुत भारी था, कोई मेकअप नहीं किया था और बाल भी काफी ज्यादा थे। द डिप्लोमैट में मैंने एक पंजाबी एंबेसी ऑफिसर का किरदार निभाया था, जिसमें मैं फॉर्मल कपड़े पहनती थी, लेकिन इस फिल्म में मैं बिल्कुल मुंबई की लड़की जैसी लग रही हूं। मेरे घुंघराले बाल हैं और मेरा लहजा भी नॉर्मल है।

बिकिनी पहन पूल में उतरीं वाणी कपूर, तस्वीरें देख फैंस बोले- तबाही

बॉलीवुड की जानी मानी अभिनेत्री वाणी कपूर अपकमिंग फिल्म बदतमीज गिल को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपने फैंस को अपनी पोस्ट के जरिए तोहफा दिया है। अभिनेत्री ने बिकनी में शानदार पोज दिए हैं। यूजर्स उनकी तस्वीरों की तारीफ कर रहे हैं।

वाणी कपूर अपने 38वां जन्मदिन के खास मौके पर उन्होंने ब्लू बिकनी में अपनी शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर में वह स्वीमिंग पूल में पोज दे रही हैं। एक दूसरी तस्वीर में वह स्वीमिंग पूल के किनारे बैठी हैं। एक और तस्वीर में उन्होंने अपना ग्लैमरस अंदाज दिखाया है।

इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा...

सूरज के चारों ओर एक और साल। चीजों को समझने की कम कोशिश कर रही हूं। पलों को जीने पर ज्यादा ध्यान दे रही हूं। ज्यादा जिंदगी, ज्यादा हंसी-खुशी और आगे आने वाली हर चीज के लिए तैयार हूं।

रक्षाबंधन पर इस तरह सजाएं पूजा की थाली, त्योहार का मजा हो जाएगा दोगुना

रक्षाबंधन भाई-बहन के रिश्ते को मनाने का त्योहार है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं और उनके लिए खास पकवान बनाती हैं। इस बार रक्षाबंधन पर अगर आप अपनी राखी की थाली को सजाने के बारे में सोच रही हैं तो आइए आज हम आपको कुछ ऐसे आसान तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आपकी राखी की थाली बहुत खूबसूरत लगेगी। थाली सजाने से त्योहार का सार अच्छी तरह व्यक्त होगा।

रंग-बिरंगे फूलों का करें इस्तेमाल

रक्षाबंधन के मौके पर फूलों का इस्तेमाल करना एक अच्छा विचार हो सकता है। आप अपनी राखी की थाली को सजाने के लिए ताजे फूलों का इस्तेमाल कर सकती हैं।गुलाब, गेंदे या चंपा के फूल इस काम के लिए बेहतरीन होते हैं। इन फूलों को थाली पर इस तरह सजाएं कि वे एक सुंदर पैटर्न बनाएं।इससे आपकी थाली न केवल आकर्षक लगेगी, बल्कि त्योहार के माहौल को भी खूबसूरत बना देगी।

चमकीले कांच का करें इस्तेमाल

चमकीले कांच से थाली को सजाना एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। आप अपनी राखी की थाली पर छोटे-छोटे

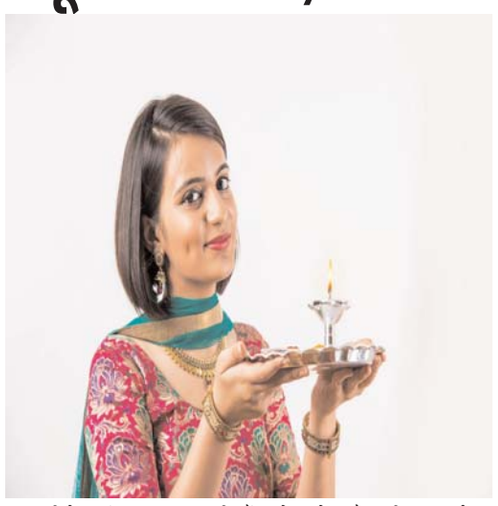

चमकीले कांच लगा सकती हैं, जो उसे और भी आकर्षक बनाएंगे।ये छोटे-छोटे टुकड़े जब रोशनी में चमकते हैं तो आपकी थाली को एक शाही लुक देते हैं। इसके अलावा आप कांच के टुकड़ों का इस्तेमाल करके थाली पर अलग-अलग डिजाइन भी बना सकती हैं, जिससे आपकी थाली और भी खूबसूरत लगेगी।

रंगीन रिबन से सजाएं

रंगीन रिबन से थाली को सजाना भी एक अच्छा विचार हो सकता है। आप अलग-अलग रंगों के रिबन लेकर उन्हें थाली के किनारों पर बांध सकती हैं या फिर थाली के बीच में लगा सकती हैं।इससे आपकी थाली बहुत ही आकर्षक लगेगी। इसके अलावा आप रिबन का उपयोग करके थाली पर अलग-अलग डिजाइन भी बना सकती हैं, जिससे आपकी थाली और भी खूबसूरत और खास लगेगी।इनसे बो बनाकर लगाना ट्रेंडी तरीका होगा।

सिक्कों का करें इस्तेमाल

अगर आप अपनी राखी की थाली को एक अलग लुक देना चाहती हैं तो सिक्कों का इस्तेमाल कर सकती हैं। पुराने सिक्के, जैसे तांबे के सिक्के या चांदी के सिक्के थाली पर चिपकाकर उसे एक अनोखा लुक दे सकते हैं।

इसके अलावा आप इन सिक्कों पर छोटे-छोटे मोती भी चिपका सकती हैं, जिससे आपकी थाली और भी खूबसूरत लगेगी। इस तरह सिक्कों का उपयोग करके आप अपनी राखी की थाली को एक शाही और आकर्षक रूप दे सकती हैं।

कोरबा में सावन के अंतिम सोमवार पर 12 पार्थिव शिवलिंगों का महा रुद्राभिषेक

कोरबा, (ए.)। सावन के पावन अंतिम सोमवार के अवसर पर नगर निगम आवासीय परिसर स्थित श्री श्री 108 श्री महामृत्युंजय महादेव मंदिर में धार्मिक आयोजन का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान 12 पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण कर उन्हें द्वादश ज्योतिर्लिंगों के स्वरूप में प्रतिष्ठित किया गया और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महा रुद्राभिषेक संपन्न कराया गया।महा रुद्राभिषेक में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से पूजन और अभिषेक कर सुख, शांति, समृद्धि एवं आरोग्य की कामना की। पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा और हर-हर महादेव, जय भोलेनाथ तथा महामृत्युंजय महादेव के जयघोष गूंजते रहे।धार्मिक अनुष्ठान मंदिर के पुरोहित पंडित नागेश्वर पुरी गोस्वामी, आशुतोषपुरी गोस्वामी, नागेंद्रपुरी गोस्वामी तथा दशनाम नागा संन्यासी दिगंबर अखिलेश पुरी महाराज के सानिध्य एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

वे पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के शिष्य हैं। महा रुद्राभिषेक के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक विधियों का पालन किया गया।सावन के अंतिम सोमवार पर आयोजित इस विशेष पूजा में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की आराधना कर आध्यात्मिक शांति और मंगलमय जीवन की प्रार्थना की। आयोजन के सफल एवं शांतिपूर्ण संपादन में मंदिर समिति, श्रद्धालुओं और सहयोगीजनों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के समापन पर सभी के सुख-समृद्धि, शांति एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई।

समय पर मिली मदद से बची महिला की जान

धमतरी, (आरएनएस)। जनसेवक रुकेश कुमार नगारची की तत्पर सेवा, कलेक्टर अविनाश मिश्रा के विशेष सहयोग एवं योगदान तथा और लुंकड अस्पताल के चिकित्सकीय प्रबंधन के संयुक्त प्रयास से सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल 41 वर्षीय नीतू पांडेय की जान बच सकी।जानकारी के अनुसार 20 अगस्त 2026 को बनरौद के पास मोटरसाइकिल पर पीछे बैठी ग्राम गुरेदा, जिला बालोद निवासी नीतू पांडेय दुर्घटना का शिकार हो गई थीं। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं और कमर की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही रुकेश कुमार नगारची ने तत्काल 108 एंबुलेंस को बुलाया और घायल महिला को लुंकड अस्पताल पहुंचाकर उपचार शुरू कराया। अस्पताल में पांच दिनों तक चले उपचार के दौरान उन्होंने मरीज के भोजन सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी भी नि:स्वार्थ भाव से निभाई। चिकित्सकीय प्रबंधन ने उनकी इस मानवीय सेवा और तत्परता की सराहना की।

छत्तीसगढ़ पर्यटन बुकिंग के नाम पर फर्जीवाड़े से सावधान

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों और पर्यटन सुविधाओं की बुकिंग के नाम पर फर्जीवाड़े की शिकायतों को देखते हुए छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड ने पर्यटकों को सतर्क रहने की अपील की है। बोर्ड को ऐसी अनधिकृत वेबसाइटों और माध्यमों की जानकारी मिली है, जो छत्तीसगढ़ पर्यटन के नाम पर फर्जी बुकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने का दावा कर रहे हैं। ऐसे माध्यमों के जरिए पर्यटकों से ऑनलाइन भुगतान कराकर ठगी किए जाने की आशंका है। छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि पर्यटक पर्यटन स्थलों, आवासीय सुविधाओं तथा अन्य पर्यटन सेवाओं की बुकिंग के लिए केवल छत्तीसगढ़ पर्यटन की आधिकारिक वेबसाइट का ही उपयोग करें। किसी अन्य वेबसाइट, अनधिकृत बुकिंग लिंक, संदिग्ध मोबाइल नंबर, विज्ञापन अथवा सोशल मीडिया के ऐसे पेज पर भरोसा नहीं करें, जो छत्तीसगढ़ पर्यटन की बुकिंग उपलब्ध कराने का दावा करते हों।

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया 'जशपुर : एक परिचय' पुस्तक का विमोचन।

कृषि फार्म में चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, ग्राइंडर व टाइल्स कटिंग मशीन सहित केबल तार बरामद

दुर्ग, (आरएनएस)। मोहन नगर थाना क्षेत्र के एक कृषि फार्म में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई ग्राइंडर मशीन, टाइल्स कटिंग मशीन और केबल तार बरामद किए गए हैं। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, 1 फरवरी 2026 की रात कृषि फार्म में रखी ग्राइंडर मशीन, टाइल्स कटिंग मशीन, केबल तार और ट्रैक्टर की बैटरी चोरी हो गई थी। अगले दिन 2 फरवरी को फार्म से जुड़े प्रार्थी गणेश सिंह, निवासी दीपक नगर दुर्ग ने मोहन नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 108/2026 के तहत धारा 303(2) बीएनएस में मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने घटना से जुड़े तथ्यों और संदिग्धों की लगातार पतासाजी की। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने रूपेश उर्फ बुटी सगमोगरी (20 वर्ष), निवासी अटल आवास उरला नाका दुर्ग और राहुल देवराज (20 वर्ष), निवासी अटल आवास उरला दुर्ग को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की एक ग्राइंडर मशीन, एक टाइल्स कटिंग मशीन और केबल तार बरामद कर विधिवत जब्त किए हैं। पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने कृषि फार्म में रखी उपयोगी मशीनरी एवं अन्य सामग्री को निशाना बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था।

दोनों आरोपियों को आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेंटर में हुए विविध कार्यक्रम

रायपुर (आरएनएस)। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2026 के अवसर पर आज छत्तीसगढ़ रीजनल साइंस सेंटर रायपुर में विद्यार्थियों और युवाओं में अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति जिज्ञासा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं को भारत की अंतरिक्ष यात्रा, अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में देश की उपलब्धियों तथा भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराना और उन्हें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना रहा।

राखी का बंधन, खुशियों का संसार, महतारी वंदन से बहनों को मिला संबल अपार

रायपुर,(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ शासन की महतारी वंदन योजना प्रदेश की माताओं-बहनों के लिए नियमित आर्थिक संबल का मजबूत आधार बन रही है। योजना के तहत हर माह मिलने वाली सहायता राशि से महिलाएं अपने परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ अपनी जरूरतों के लिए भी आर्थिक रूप से सक्षम हो रही हैं। रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले योजना की 30वीं किस्त की राशि मिलने से प्रदेशभर की महिलाओं के बीच विशेष खुशी का माहौल है। इसी खुशी की झलक मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के विकासखंड अंबागढ़ चौकी अंतर्गत ग्राम जोरातराई निवासी श्रीमती मिलापा नदेश्वर के चेहरे पर भी दिखाई दी। महतारी वंदन योजना की 30वीं किस्त की राशि प्राप्त होने पर उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया और स्नेहपूर्वक उन्हें 'विष्णु भैया' कहकर संबोधित किया। श्रीमती मिलापा नदेश्वर ने बताया कि रक्षाबंधन से पहले महतारी वंदन योजना की राशि मिलना उनके लिए बेहद खुशी की बात है। इस राशि से वे त्योहार की तैयारियों के साथ घर की जरूरी आवश्यकताओं को भी पूरा कर पा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस बार राखी का पर्व उनके लिए इसलिए भी खास है, क्योंकि समय पर मिली आर्थिक सहायता ने त्योहार की तैयारियों का अतिरिक्त बोझ कम कर दिया है। उन्होंने भावुक होकर कहा कि जब वे रक्षाबंधन पर अपने भाइयों की कलाइयों पर स्नेह का धागा बांधेंगी, तो उसमें 'विष्णु भैया' के प्रति आभार और स्नेह की भावना भी जुड़ी होगी। मिलापा नदेश्वर बताती हैं कि महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने मिलने वाली राशि उनके परिवार के लिए उपयोगी साबित हो रही है। बच्चों की जरूरतों, घर-गृहस्थी के खर्च और आवश्यक सामानों की खरीदी में यह राशि आर्थिक सहायता प्रदान करती है।

छत्तीसगढ़ के बच्चों के हक की एक भी सीट नहीं होगी प्रभावित - स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के बच्चों के हितों के साथ किसी भी तरह की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रदेश में मेडिकल कॉलेज और एमसीसीएस की सीटें बढ़ाने का उद्देश्य ही यही है कि छत्तीसगढ़ के अधिक से अधिक बच्चों को मेडिकल शिक्षा का अवसर मिले। मंत्री जायसवाल ने कहा है कि डोमिसाइल को लेकर अगर कहीं कोई शंका या शिकायत सामने आती है तो उसकी पूरी गंभीरता से जांच कराई जाएगी।व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी और पुख्ता बनाया गया है। जिनके दस्तावेज सही हैं, उन्हें चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन अगर कहीं नियमों का उल्लंघन या फर्जीवाड़ा पाया गया तो उसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पेपर लीक के बाद कृषि विश्वविद्यालय का बड़ा फैसला, दो परीक्षाएं निरस्त

रायपुर,(आरएनएस)। सितंबर के पहले सप्ताह में होंगी दोबाराइंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय प्रबंधन ने पेपर लीक प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए परीक्षाओं की गोपनीयता, निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए रविवार को आपातकालीन बैठक आयोजित की। कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल की अध्यक्षता में हुई बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए।

रायपुर पुलिस की जांच में 20 अगस्त को आयोजित बीएससी कृषि द्वितीय वर्ष के एंटोमोलॉजी विषय के प्रश्न पत्र के साथ 7 अगस्त को आयोजित बीएससी कृषि प्रथम वर्ष के प्लांट पैथोलॉजी विषय के प्रश्न पत्र के भी लीक होने की जानकारी सामने आई। इसके बाद विश्वविद्यालय प्रबंधन ने दोनों प्रश्न पत्रों से संबंधित परीक्षाएं निरस्त करने का निर्णय लिया है।परीक्षा की गोपनीयता सुनिश्चित न कर पाने के मामले में भारतीय कृषि महाविद्यालय, दुर्ग को नोटिस जारी कर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई करने का फैसला लिया गया है। 20 अगस्त के पेपर लीक मामले में रायपुर पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए भारतीय कृषि महाविद्यालय, दुर्ग के दोषी पाए गए छात्रों के खिलाफ भी कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।वहीं, बैठक में तय किया गया कि दोनों परीक्षाएं अब सितंबर माह के प्रथम सप्ताह में दोबारा आयोजित की जाएंगी। दोनों परीक्षाओं की गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए भारतीय कृषि महाविद्यालय दुर्ग में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा नियुक्त ऑब्जर्वरों को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा।

खेल समाचार

पंत-जुरेल की जोड़ी बनी श्रीलंकाई गेंदबाजों के लिए सिरदर्द, लंच ब्रेक तक भारत का स्कोर 419/6

कोलंबो, (आरएनएस)। भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट मुकाबला कोलंबो के सिंहली क्रिकेट क्लब स्टेडियम में खेला जा रहा है। टेस्ट के दूसरे दिन का पहला सेशन पूरी तरह से टीम इंडिया के नाम रहा है। लंच ब्रेक तक भारतीय टीम ने पहली पारी में 6 विकेट खोकर 419 रन स्कोरबोर्ड पर लगा लिए हैं। पहले सेशन में भारत ने सिर्फ एक विकेट गंवाया। सारांश जैन 6 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पहले दिन चोटिल होकर मैदान से बाहर गए ऋषभ पंत बल्लेबाजी करने उतरे। पंत और ध्रुव जुरेल ने इस सेशन में शानदार बल्लेबाजी की। दोनों मिलाकर सातवें विकेट के लिए 151 गेंदों में 112 रनों की अटूट साझेदारी निभा चुके हैं। धीमे अंदाज में शुरुआत करने के बाद पंत ने रनगित को बढाया और 81 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। पंत 88 गेंदों में 63 रन बनाकर क्रीज पर बने हुए हैं। अपनी इस पारी में अब तक वह 6 चौके और 2 छक्के लगा चुके हैं। वहीं, जुरेल 107 गेंदों में 5 चौकों की मदद से 59 रन बनाकर खेल रहे हैं। पंत-जुरेल की जोड़ी के आगे श्रीलंकाई गेंदबाज पूरी तरह से बेबस दिखाई दिए।

इससे पहले, टेस्ट के पहले दिन भारतीय टीम ने 5 विकेट खोकर 300 रन बनाए थे। देवदत्त पडिक्कल बेहतरीन लय में नजर आए और उन्होंने लगातार दूसरे टेस्ट मैच में शतक लगाया। पडिक्कल ने 193 गेंदों का सामना करते हुए 117 रनों की शानदार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 12 चौके लगाए। वह 2018-19 के बाद भारत की ओर से विदेशी धरती पर लगातार दो मैचों में टेस्ट सेंचुरी लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने। कप्तान शुभमन गिल ने भी बढ़िया बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतकीय पारी खेली। गिल ने 108 गेंदों का सामना करते हुए 50 रन बनाए। वहीं, यशस्वी जायसवाल ने 45 और रवींद्र जडेजा ने 43 रनों का योगदान दिया। श्रीलंका की ओर से गेंदबाजी में अब तक असिथा फर्नांडो सर्वाधिक 4 विकेट निकाल चुके हैं।

भारत बनाम श्रीलंका : ऋषभ पंत ने रचा इतिहास, एमएस धोनी का तोड़ा रिकॉर्ड

कोलंबो (आरएनएस)। भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट मैच कोलंबो के सिंहली क्रिकेट क्लब मैदान पर खेला जा रहा है। टीम इंडिया के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टेस्ट के दूसरे दिन इतिहास रच दिया है। पंत विदेशी धरती या न्यूट्रल वेन्यू पर भारत की ओर से बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज सर्वाधिक रन बनाने वाले बैटर बन गए हैं। पंत ने एमएस धोनी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। धोनी ने घर से बाहर खेलते हुए 2,496 रन बनाए। इस लिस्ट में 1209 रनों के साथ फारुख इंजीनियर तीसरे नंबर पर काबिज हैं। टेस्ट के दूसरे दिन सारांश जैन के पवेलियन लौटने के बाद पंत दोबारा बल्लेबाजी करने उतरे। गौरतलब है कि टेस्ट के पहले दिन पंत बल्लेबाजी करते हुए चोटिल हो गए थे और उन्हें मैदान छोड़कर बाहर जाना पड़ा था। भारतीय पारी के 58वें ओवर में लाहिरू कुमारा की एक उछाल लेती हुई गेंद सीधा पंत की कलाई पर आकर लगी थी, जिसके बाद वह काफी दर्द में दिखाई दिए थे। थोड़ी देर चले इलाज के बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। पंत पहले टेस्ट में बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके थे और उनकी फॉर्म को लेकर भी कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम ने टॉस जीतने के बाद शानदार शुरुआत की है। टेस्ट के पहले दिन देवदत्त पडिक्कल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए लगातार दूसरा शतक लगाया। उन्होंने 193 गेंदों का सामना करते हुए 117 रनों की शानदार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 12 चौके लगाए। वहीं, कप्तान शुभमन गिल भी अच्छी लय में दिखाई दिए और उन्होंने अर्धशतकीय पारी खेली। यशस्वी जायसवाल (45) और रवींद्र जडेजा (43) अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे। केएल राहुल सिर्फ 18 रन ही बना सके थे। दूसरे दिन की शुरुआत भारतीय टीम के लिए अच्छी नहीं रही और सारांश जैन महज 6 रन बनाकर असिथा फर्नांडो का शिकार बने।

बीच मैदान श्रीलंकाई गेंदबाज से भिड़ गए यशस्वी जायसवाल, धक्का-मुक्की की आई नौबत

कोलंबो (आरएनएस)। भारत और श्रीलंका के बीच दूसरे टेस्ट के पहले दिन मैदान पर उस समय तनाव बढ़ गया, जब भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल और श्रीलंकाई तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो के बीच तीखी बहस हो गई। जायसवाल को आउट करने के बाद फर्नांडो के जश्न और कथित सेंड-ऑफ के बाद दोनों खिलाड़ी आमने-सामने आ गए। मामला इतना बढ़ा कि दोनों के बीच हेड-कॉन्टैक्ट और धक्का-मुक्की भी हुई। बाद में श्रीलंकाई कप्तान धनंजय डी सिल्वा और अन्य खिलाड़ियों ने दोनों को अलग किया।

तीन चौके खाने के बाद फर्नांडो ने लिया बदला

भारत की पारी के 17वें ओवर में असिथा फर्नांडो के खिलाफ जायसवाल ने लगातार तीन चौके लगाए। हालांकि, ओवर की आखिरी गेंद पर फर्नांडो ने वापसी करते हुए जायसवाल को आउट कर दिया।

फर्नांडो की अंदर आती गेंद जायसवाल के बल्ले का अंदरूनी किनारा लेते हुए सीधे स्टंप्स से जा टकराई। जायसवाल 45 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उन्होंने अपनी पारी में 53 गेंदों का सामना करते हुए 9 चौके लगाए।

विकेट के बाद फर्नांडो ने आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया और जायसवाल की ओर इशारा किया। पवेलियन की तरफ जा रहे जायसवाल

इसके बाद वापस मुड़े और गेंदबाज से बात करने लगे।

बात बढ़ी तो दोनों आमने-सामने

जायसवाल और फर्नांडो के बीच कुछ देर तक बहस होती रही। इसके बाद दोनों एक-दूसरे के बेहद करीब आ गए और उनके बीच शारीरिक संपर्क भी हुआ। दोनों के सिर आपस में टकराए और धक्का देने जैसी स्थिति भी बनी।

मामला बिगड़ता देख श्रीलंकाई कप्तान धनंजय डी सिल्वा समेत अन्य खिलाड़ियों ने बीच-बचाव किया और दोनों को अलग किया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

भारत ने पहले बल्लेबाजी चुनी

कोलंबो के सिन्हलीज स्पोर्ट्स क्लब में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। भारत ने शुरुआती सत्र में केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल के विकेट गंवाए। लंच तक भारत का स्कोर 88/2 था, जबकि देवदत्त पडिक्कल और शुभमन गिल क्रीज पर थे।

पहले टेस्ट में जीत के बाद भारत दो मैचों की सीरीज में बढ़त बनाए हुए है और कोलंबो टेस्ट में उसका लक्ष्य सीरीज अपने नाम करना है।

33 साल की उम्र में सारांश जैन का टेस्ट डेब्यू

दूसरे टेस्ट में भारत ने अपनी प्लेइंग XI में एक बदलाव किया। कुलदीप यादव के फिट नहीं होने के कारण उनकी जगह मध्य प्रदेश के ऑलराउंडर सारांश जैन को मौका मिला। जैन ने 33 साल की उम्र में भारत के लिए टेस्ट डेब्यू किया।सारांश जैन का यह डेब्यू लंबे घरेलू करियर के बाद आया है।

चोटिल नजीहा अल्वी महिला एशिया कप 2026 से बाहर, सदफ शमास को मिली पाकिस्तान टीम में जगह

लाहौर (आरएनएस)। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम की विकेटकीपर-बल्लेबाज नजीहा अल्वी घुटने की चोट के कारण आगामी एसीसी महिला टी20 एशिया कप 2026 से बाहर हो गई हैं। नजीहा अल्वी की जगह पर दाएं हाथ की बल्लेबाज सदफ शमास को टीम में शामिल किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक बयान के मुताबिक, मेडिकल जांच में जोड़ों में दिक्कत की पुष्टि होने के बाद यह फैसला लिया गया, जिसके बाद सिलेक्शन कमिटी ने इस बड़े महाद्वीपीय इवेंट के लिए सदफ को टीम में शामिल किया। नजीहा ने अपने बाएं घुटने के पिछले हिस्से में दर्द बताया, जबकि बाद में स्कैन में मोच आने का पता चला। पीसीबी की मेडिकल टीम के जांच के बाद नजीहा तुरंत अपना रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम शुरू करेंगी, जिसके चार हफ्ते तक चलने की उम्मीद है। नेशनल विमेंस सिलेक्शन कमिटी ने सदफ को एशिया कप टीम में शामिल किया है। जनवरी 2023 में डेब्यू करने के बाद से वह अब तक 12 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुकी हैं।

यह टूर्नामेंट 28 अगस्त से 13 सितंबर तक दुबई में होना है, जिसमें पाकिस्तान को पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों, सात बार के विजेता भारत, थाईलैंड और हांगकांग के साथ एक कड़े ग्रुप ए में रखा गया है। पाकिस्तान महिला एशिया कप में अपने अभियान का आगाज एक सितंबर को थाईलैंड के खिलाफ करेगा, जिसके बाद 5 सितंबर को टीम की भिड़ंत भारत से होगी।

भारत हॉकी वर्ल्डकप के सेमीफाइनल की रेस से बाहर

टॉमस डोमेने ने 2 गोल दागे, सुखजीत ने 2 गोल किए

एम्सटेलवीन (आरएनएस)। भारतीय पुरुष टीम हॉकी वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गई है। उसे सोमवार को अर्जेंटीना ने 5-3 के अंतर से हराया। एम्सटेलवीन के वेगनर स्टेडियम में भारतीय टीम पहले ही मिनट से पिछड़ गई। जब जोआक्विन टोस्कानी ने फील्ड गोल दागा। 5वें मिनट में निकोलस डेला टोरे ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके बढ़त को 2-0 कर लिया। 10वें मिनट में सुखजीत सिंह ने फील्ड गोल करके वापसी कराई। हाफ टाइम तक इंडिया 1-2 से पिछड़ रहा था। तीसरे क्वार्टर में टॉमस डोमेने ने 32वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर और 44वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल दागे।

52वें मिनट में लुकास टोस्कानी ने फील्ड गोल किया। 57वें मिनट में सुखजीत के फील्ड गोल और 58वें मिनट में हार्दिक सिंह के पेनल्टी स्ट्रेक पर आए गोल ने हार का अंतर कम किया।

रोज 14 किमी साइकिल चलाने वाला आकाश अब एशियाई खेलों में लगाएगा निशाना

नई दिल्ली,(आरएनएस)। जयपुर के 22 वर्षीय निशानेबाज आकाश भारद्वाज का एशियाई खेलों तक पहुंचने का सफर संघर्ष, अनुशासन और परिवार के त्याग की मिसाल है। महज 21 साल की उम्र में पहली बार पिस्टल हाथ में लेने वाले आकाश अब जापान के आइची-नागोया में होने वाले 20वें एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने की तैयारी कर रहे हैं।

जयपुर के निवाडू रोड क्षेत्र के साधारण परिवार से आने वाले आकाश के पिता व्यावसायिक चालक के रूप में काम करते थे। शूटिंग से पहले आकाश एथलेटिक्स और रग्बी से जुड़े रहे और रग्बी में राष्ट्रीय स्तर पर कांस्य पदक भी जीता। हालांकि संपर्क वाले खेलों में चोट की आशंका के चलते उन्होंने व्यक्तिगत खेल की तलाश शुरू की और वर्ष 2021 के अंत में शूटिंग अकादमी के एक विज्ञापन ने उनकी जिंदगी की दिशा

बदल दी।

शुरुआती दिनों में आर्थिक चुनौतियां बड़ी थीं। आकाश की प्रतिभा को देखते हुए उनके पिता ने क्रेडिट कार्ड से उनकी पहली पिस्टल खरीदी, जबकि बड़े भाई शुभम ने अपनी कमाई से अकादमी की मासिक फीस का खर्च उठाया।

कभी पैदल, कभी लिफ्ट लेकर तो कभी साइकिल से पहुंचते थे रेंज

आकाश को जयपुर के मारुधरा स्पोर्ट्स शूटिंग अकादमी तक पहुंचने के लिए रोज करीब 14 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता था। वह कभी पैदल जाते, कभी राहगीरों से लिफ्ट लेते और अक्सर साइकिल से रेंज पहुंचते थे। यात्रा के खर्च से बचाए गए 10 से 20 रुपये वह पोषण और अभ्यास के लिए जरूरी पेलेट खरीदने में खर्च करते थे।शुरुआती दौर में निजी कोच न होने के कारण आकाश ने अपनी ट्रेनिंग की जिम्मेदारी भी खुद संभाली। वह रोजाना छह से सात घंटे डंबल कंडीशनिंग और ड्राई-फायर अभ्यास करते थे। अपनी हर गलती का बारीकी से विश्लेषण करना और शॉट में बदलाव के कारणों को नोट करना उनकी दिनचर्या का हिस्सा बन गया।

'कुछ तो लोग कहेंगे'

शहर में हो रही संस्कार कावड यात्रा और आदिवासी वर्ग की कावड़ यात्रा की विशेष चर्चा

न कोई विशेष मीटिंग, न पत्रकार वार्ता फिर भी दो गुनी से ज्यादा संख्या ?

नर्मदापुरम (निप्र)। शहर में कावड़ यात्रा को लेकर विशेष चर्चाओं का दौर जारी है। खासकर संख्या को लेकर चर्चाएं हो रही हें। दो दिन पूर्व संस्कार कावड यात्रा निकाली गई। जिसमें दादा गुरू स्वयं जनप्रतिनिधि, प्रशासन, नगर पालिका, जनपद पंचायत, आंगनबाड़ी, अनेक स्कूलों, अखाडे का विशेष योगदान रहा था। अनेक स्थानों पर बैठके हुई। पत्रकार वार्ता हुई। फिर गांवों से महिलाओं को कावड़ यात्रा में शामिल करने तथा अन्य अनेक जतन किए गए। जिससे कावडियों की संख्या बड़ सके। गांव से महिलाओं के आने पर आयोजक खुश भी हुए। उसके बाद सोमवार को विशेष रूप से आदिवासी समुदाय के द्वारा निकाली गई कावड़ यात्रा में भी महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुई। इसमें तामझाम ज्यादा रहा। संस्कार कावड़ यात्रा से दो गुनी से भी ज्यादा संख्या जुटाने में पर्दे के पीछे वाले आयोजक सफल हुए। अब चर्चा करने वालों को यही विषय मिल गया। तो संख्या को लेकर जगह जगह चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। अनेक चौराहों पर यही चर्चा हो रही थी कि संस्कार कावड़ यात्रा में संख्या को लेकर जितनी मेहनत हो रही थी। उस तुलना में आदिवासी समुदाय ने भले ही चुपचाप तैयारी करते हुए दूसरे जिले से कावडिए बुलाने में सफल हो गए हों। इसलिए संख्या उससे कहीं ज्यादा रही। दोनों कावड़ यात्रा में जिन्होने भी संख्या बढ़ाने के लिए ज्यादा मेहनत की हो कावड यात्रा को सफल करने का प्रयास तो किया। महिलाओं को धर्म अध्यात्म से जोड़ने का प्रयास तो किया। कावड़ यात्रा के पीछे उद्देश्य जो भी हो। लेकिन दोनों कावड़ यात्रा की पूर्व तैयारी में की गई मेहनत को नकारा नहीं जा सकता है। समय काल परिस्थिति के अनुसार संख्या कम ज्यादा हो सकती है। दोनों कावड़ यात्रा पर ऊपर वाले की कृपा भी रही कि तेज बारिश नहीं हुई। यह भी चर्चा हो रही थी कि कावड़ यात्रा में होने वाले खर्च को कौन कौन वहन कर रहे थे। खर्च करने वाले तथा खर्च करवाने वाले भी चर्चा का विषय बने हुए हैं। फिर भी यही कहेंगे 'कुछ तो लोग कहेंगे' लोगों का काम है कहना।

सावन के अंतिम सोमवार को मंदिरों में गूंजे "हर हर महादेव" के जयकारे

भगवान भोले नाथ के भक्तों ने किया पूजन और अभिषेक

नर्मदापुरम (निप्र)। सावन के अंतिम सोमवार के पावन अवसर पर मालाखेड़ी स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भक्तों ने भगवान शिव का जल दूध दही शहद एवं गंगाजल से अभिषेक किया। मंदिर प्रांगण में विधिवत मंत्रोच्चार के साथ रुद्राभिषेक संपन्न हुआ। चारों ओर ष्हर हर महादेव के जयघोष गूंजते रहे और वातावरण भक्ति भाव से सराबोर हो गया। पंडितों द्वारा विशेष पूजन रुद्राष्टक और शिव चालीसा का पाठ किया गया। श्रद्धालुओं ने बेलपत्र भांग धतूरा अक्षत एवं सफेद पुष्प अर्पित कर भगवान शिव से भारतवर्ष की सुख.समृद्धि की कामना की। पूजा में सम्मिलित श्रद्धालु धीरेन्द्र मालवीय ने बताया कि सावन मास में प्रतिदिन शिवलिंग पर जलाभिषेक का विशेष महत्व होता है किंतु सावन शिवरात्रि पर जलाभिषेक और रुद्राभिषेक करना अत्यंत शुभ और फलदायी माना जाता है। इस अवसर पर जगदीश मालवीय धीरेन्द्र मालवीय सुयश मिश्रा श्रीमती वंदना मालवीय श्रीमती अचला मालवीय श्रीमती मीनाक्षी मिश्रा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

शंकर मंदिर समिति की कांवड़ यात्रा, नर्मदा जल लेकर लौटे श्रद्धालु

नर्मदापुरम (निप्र)। शंकर मंदिर समिति ग्वालटोली सिवनी नाका क्षेत्र से रविवार को कांवड़ यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं पुरुष, नन्हे नन्हे बालक, बालिका श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालु कांवड़ लेकर सेठानी घाट पहुंचे, जहां मां नर्मदा का पूजन-अर्चन कर नर्मदा जल भरा और इसके बाद कांवड़ लेकर वापस शंकर मंदिर पहुंचे।कांवड़ यात्रा के दौरान बैंड-बाजे पर श्रद्धालु उत्साह के साथ झूमते और नृत्य करते नजर आए। पूरे मार्ग में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ मां नर्मदा एवं भगवान शिव का स्मरण किया।मातृशक्ति की भी यात्रा में विशेष सहभागिता रही। महिलाओं ने उत्साहपूर्वक कांवड़ यात्रा में भाग लेकर धार्मिक आस्था और श्रद्धा का परिचय दिया। नर्मदा जल लेकर श्रद्धालुओं शंकर मंदिर पहुंचने पर यात्रा का समापन धार्मिक विधि-विधान और पूजा-अर्चना के साथ किया गया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

जिले में 1 जून से आज दिनांक तक 621.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में 1 जून 2026 से आज दिनांक को प्रात: 8 बजे तक जिले में 621.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज हुई है। गत वर्ष इसी अवधि में 1071.7 मिलीमीटर औसत वर्षा हुई थी। तहसीलदार भू-संसाधन प्रबंधन नर्मदापुरम ने बताया है कि 23 अगस्त से 24 अगस?त 2026 को प्रात: 8 बजे तक तहसील नर्मदापुरम में 92.8 मिलीमीटर, सिवनीमालवा में 4.0 मिलीमीटर, इटारसी 22.8 मिलीमीटर, माखननगर में 11.0 मिलीमीटर, सोहागपुर में 12.0 मिलीमीटर, पिपरिया में 10.0 मिलीमीटर, बनखेड़ी में 0.0 मिलीमीटर, पचमढी में 3.0 एवं तहसील डोलरिया 13.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है।

मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन योजना काशी-गया यात्रा के लिए आवेदन शुरु, 18 सितंबर अंतिम तिथि

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन की मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन योजनांतर्गत जिले के वरिष्ठ नागरिकों के लिए "काशी (वाराणसी)-गया" तीर्थयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। उप संचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण नर्मदापुरम (नोडल अधिकारी तीर्थयात्रा) ने बताया कि शासन से प्राप्त लक्ष्य अनुसार इस यात्रा का प्रस्थान 29 सितंबर 2026 को होगा और 04 अक्टूबर 2026 को वापसी होगी।

इस यात्रा के लिए जिले से कुल 196 तीर्थयात्रियों को भेजा जाएगा। जिले के इच्छुक हितग्राही अपने आवेदन संबंधित स्थानीय निकाय में 18 सितंबर 2026 तक जमा कर सकते हैं। स्थानीय निकायों द्वारा भी इसी तिथि तक प्राप्त आवेदनों को https://dpms.mp.nic.in पोर्टल पर ऑनलाइन करना अनिवार्य होगा। 60 वर्ष से अधिक आयु के, आयकर दाता न होने वाले और शारीरिक रूप से सक्षम वरिष्ठ नागरिक योजना के लिए पात्र होंगे।

हर-हर महादेव की गूंज से सराबोर हो रही नर्मदा नगरी

अंतिम श्रावण सोमवार को अनेक स्थानों पर हुए महारूद्राभिषेक के आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। श्रावण माह के अंतिम सोमवार के पावन अवसर पर शहर के सभी प्रमुख शिवालयों में पूजन अर्चन और अभिषेक के आयोजन हुए। शिव मंदिरों में भीड़ उमड़ती रही। श्रद्धालुओं ने पहुंच कर पूजन अर्चन कर अभिषेक में शामिल हुए। विंध्याचल शेड के नीचे जारी संपूर्ण श्रावण माह महारूद्राभिक के तहत सुबह ब्रम्ह मुहुर्त से महारूद्राभिषेक के आयोजन हुए। जहां पर भगवान पार्थिवेश्वर का विशेष श्रृंगार किया गया। भस्मारती की गई। शिवालयों के साथ ही अनेक घरों में महारूद्राभिषेक हुए। शहर के प्रसिद्ध शिवालयों में समारोह पूर्वक अभिषेक किए जा रहे हैं। सभी मंदिर में भक्तों की भीड़ लगी रही।

पंचामृत से महारूद्राभिषेक

शहर के अनेक शिव मंदिर में सूर्य उदय होते ही अनेक लोग जल चढ़ाने पहुंचे। नर्मदा तट के विंध्याचल शेड में पं सोमेश परसाई के आचार्यत्व में पूजन अर्चन और पंचामृत से महारूद्राभिषेक किया गया। पूजन अर्चन के बाद भस्म आरती में सैंकड़ों भक्त शामिल हुए। यहां पर बड़ी संख्या में प्रतिदिन सुबह 6 बजे से 8 बजे तक महारूद्राभिषेक के आयोजन किए जा रहे हैं जो पूर्णिमा तक जारी रहेंगे। नर्मदेवश्वर महादेव मंदिर में 11 पंडितों के द्वारा सामूहिक महरूद्राभिषेक किया जा रहा है। वहीं बीते 20 वर्ष की तरह डीईओ कार्यालय के पास वाले शिव मंदिर में भी हर दिन महारूद्राभिषेक के आयोजन किए जाते हैं। कई घरों में सोमवार को मिट्टी के शिवलिंग बनाकर अभिषेक किए जा रहे हैं।

काले महादेव से निकली पालकी यात्रा हुआ अभिषेक

नर्मदा तट के प्रसिद्ध काले महादेव मंदिर में पूर्णिमा से ही भगवान काले महादेव की महाआरती के साथ भस्म आरती के आयोजन शुरू हुए हैं। अंतिम श्रावण सोमवार को कमेटी के द्वारा पालकी यात्रा निकाली गई जिसका जगह-जगह स्वागत किया गया। शहर के प्रमुख मार्गों से पालकी यात्रा निकल रही थी। उसी दौरान तेज वर्षा होने लगी लेकिन शिवभक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ। कई श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का वीलपत्र से विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर समिति के सदस्यों ने कहा कि हमारे सदस्यों के द्वारा प्रत्येक सोमवार को विशेष श्रृंगार किया जा रहा है। उज्जैन के महाकालेश्वर महादेव की तर्ज पर भगवान आदिदेव काले महादेव की पूजन अर्चन महारूद्राभिषेक के बाद विशेष श्रृंगार किया गया। इसी श्रृंखला में पालकी यात्रा निकाली गई।

अन्य मंदिरों में हुए अनुष्ठान

शहर के इच्छापूर्ति महादेव मंदिर सहित पंचमुखी शिव मंदिर, शिवम शिवालय, माधव आश्रम, नर्मदेश्वर महादेव मंदिर, नागेश्वर महादेव मंदिर, सहित अन्य अनेक मंदिरों में सुबह से शाम तक शिव भक्ति के आयोजन जारी रहे। विवेकानंद घाट पर शिव मंदिर में महिलाओं के समूहों के द्वारा भजन कीर्तन किए जा रहे है।

बम भोले का जयघोष करते हुए निकले कावड़िये

कावड़ियों पर श्रद्धालुओं ने की पुष्पवर्षा

नर्मदापुरम (निप्र)। सावन के महीने में कांवड़ यात्रा का विशेष महत्व होता है। श्रद्धालु कांवड़ यात्रा करते हुए भगवान शिव की पूजा-अर्चना जुटे हुए हैं। आदिवासी विकास परिषद के सौजन्य से सोमवार को विशाल कांवड़ यात्रा निकाली गई। जिसमें सड़कों पर आस्था का सैलाब उमड़ पडा। अनेक स्थानों से आए आदिवासियों का नृत्य देखने लायक रहा। दोपहर में श्रध्दालुओं ने सर्किट हाउस घाट से जल भरकर यात्रा प्रारंभ की जिसमें बोल बम- बम बम के जयकारे के साथ ढोल-बाजे पर नाचते.-गाते गोंडी नृत्य आदिवासी संस्कृति की वेशभूषा में पुरूषों के साथ मातृशक्ति कांवडियों का सैलाब अपने गंतव्य एसपीएम गेट नंबर 3 स्थित आदिवासी शिव मंदिर की ओर बढ़ा। एक किमी तक की कतार में पूरी सडक़ शिवभक्त के उत्साह और भगवा रंग में रंगी हुई थी। हजारों शिवभक्तों का जगह.-जगह चौराहों पर लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। सतरस्ता, ओवब्रिज चौराहा, रसूलिया सहित शहर भर में यात्रा मार्ग पर कई जेह स्वागत मंच लगाए गए और भोलेनाथ के भक्तों का भक्ति भाव के साथ स्वागत किया गया। सुरक्षा के मद्देनजर यात्रा वाले मार्गों पर पुलिस बल तैनात रहा। कांवडियों की कतारें एवं आकर्षक झांकी का नजारा देखने हाइवे पर हर जनसमूह आतुर नजर आया। कार्यक्रम के आयोजक मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद आदिवासी महिला संगठन, युवा संगठन ने भरपूर सहयोग देकर कार्यक्रम को सफल बनाया। अनेक श्रद्धालु व्यवस्था बनाने में मौजूद रहे।

शिव का नर्मदा जल से अभिषेक

एसपीएम गेट नंबर 3 स्थित आदिवासी शिव मंदिर में श्रध्दालुओं ने पहुंचकर भगवान शिव का नर्मदा जल से अभिषेक किया गया। सभी ने पौधरोपण कर शहर को सुंदर बनाने का संकल्प लिया। अनेक स्थानों से आए आदिवासी अनेक जिलों के साथ ही, केसला, सुखतवा, जमानी, बाबई सिवनी मालवा, पिपरिया सहित जिले के अलग.अलग जगह से आदिवासी समाज की माताओं ने कार्यक्रम में उत्साह से हिस्सा लिया। जलाभिषेक पूजा.-अर्चना के बाद कावड़ यात्रा में आए श्रद्धालुओं को महाप्रसाद ग्रहण कराया गया।

राठौर समाज की महिलाओं ने उत्साह पूर्वक मनाया हरियाली महोत्सव

नेहरू पार्क में हुआ आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। राठौर समाज की महिलाओं द्वारा नेहरू पार्क में हरियाली उत्सव मनाया गया। जिसमें सुहागन महिलाओं ने परस्पर एक दूसरे को सुहाग सामग्री का आदान-प्रदान कर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस हरियाली महोत्सव में दीप्ति राठौर भारती राठौर ट्विंकल राठौर कंचन राठौर प्रियंका राठौर गंगा राठौर पूनम राठौर संगीता राठौर सलोनी राठौर सरिता दिशा आदि समाज की अनेक महिलाएं उत्साह पूर्वक सम्मिलित हुईं।

सेंट्रल जेल खंड अ में फ्री फ़िज़ियोथेरेपी चेकअप कैंप आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। सेंट्रल जेल खंड अ में फ्री मेडिकल और फ़िज़ियोथेरेपी चेक.अप कैंप आयोजित हुआ। मशहूर न्यूरोलॉजिस्ट और फ़िज़ियोथेरेपिस्ट डॉ ब्रजेश यादव ने लगभग 70 कैदियों का इलाज किया जिन्हें पीठ जोड़ों मांसपेशियों और नसों से जुड़ी तकलीफ़ें थीं। जेल सुपरिटेंडेंट संतोष सोलंकी और जेलर प्रहलाद वरकड़े ने कहा कि ऐसे कैंप कैदियों के लिए फ़ायदेमंद होते हैं। डॉ यादव की मदद अरुण यादव शरद यादव अजय पटेल ने की। अष्टकोण अधिकारी उम्मेद मेहुने लाखन सिंह राणा और अक्षय श्रीवास्तव ने जेल विभाग की ओर से समाजसेवी भावना बिष्ट हेल्थ एक्टिविस्ट डॉ मयंक तोमर और डॉ यादव का फ़री मेडिकल कैंप के लिए पौधे भेंटकर धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ मयंक तोमर ने किया।

बीटीआई गवर्मेंट स्कूल में रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। महादेव वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा सोमवार को बीटीआई गवर्मेंट स्कूल में रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे बच्चियों से रक्षा सूत्र बँधवाकर सभी बच्चों को कॉपी, पेन, पेंसिल, स्कैचपेन, कटर, रबर, चॉकलेट, आदि सामग्री वितरित की गई इस दौरान जिला अध्यक्ष मिहिर श्रीवास्तव जिला संरक्षक बीभूती ठाकुर, डॉ मयंक तोमर, दीपक मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष रजत यादव, जिला सोशल मीडिया प्रभारी दीपक साहू, पीयूष स्वामी, वैभव वर्मा, यशराज सनकत, आयुष सोलंकी, अमित सोलंकी, अनुराग गौर, वरुण दीवान, अमन गौर, आयुष रघुवंशी, प्रमोद रघुवंशी, आदि मौजूद रहें।

डॉ एनीबेसेंट स्पेशल स्कूल में आयोजित हुई विशेष कार्यशाला

दिव्यांग बच्चे तैयार करते हैं हस्तनिर्मित राखियाँ, बिक्री के पश्चात जाएंगे पिकनिक पर

अगस्त का महीना यहाँ के बच्चों के लिए खास होता है इस महीने हमारे यहाँ दो बड़े कार्यक्रम और उत्सव होते हैं।

नर्मदापुरम (निप्र)। डॉ एनीबेसेंट स्पेशल स्कूल के छात्र और कर्मचारी इन आयोजनों का बेसब्री से इंतज़ार करते हैं। रक्षाबंधन होली के बाद और दीपावली से पहले का एकमात्र ऐसा आयोजन उत्सव है जहाँ उन्हें अपनी कल्पनाशीलता रचनात्मकता और कला का प्रदर्शन करने का मौका मिलता है। हालाँकि डॉ एनीबेसेंट स्पेशल स्कूल साल भर विशेष प्रशिक्षण और कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं, फिर भी राखी बनाने की एक विशेष कार्यशाला का आयोजन सुनिश्चित करते हैं। डॉ एनीबेसेंट स्पेशल स्कूल की प्रधानाचार्या ने बताया किए प्रत्येक प्रतिभागी बच्चे को विशेष शिक्षक परामर्श और प्रत्येक बच्चेध्छात्र को अलग.अलग ट्रैक करने के लिए चार्ट दिए जाते हैं।इस वर्ष भी विशेष शिक्षक और प्रशिक्षक की मदद से बच्चों छात्रों ने अद्भुत और सुंदर राखियाँ बनाना सीखा और उनमें मदद की। इन राखियों को स्थानीय बाज़ार में बेचा जाएगा ताकि बाद में छात्रों के लिए एक आनंददायक कार्यक्रम पिकनिक को प्रायोजित करने के लिए धन जुटाया जा सके।

सिवनी मालवा बालिका छात्रावास में हर्षोल्लास से मनाया गया रक्षाबंधन, SDM ने बंधवाई राखी

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका छात्रावास, सिवनी मालवा में रक्षाबंधन पर्व का आयोजन उत्साह और आत्मीयता के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एसडीएम विजय राय उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान छात्रावास में अध्ययनरत नन्हीं बालिकाओं ने एसडीएम विजय राय सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अतिथियों की कलाई पर राखी बांधी। एसडीएम ने बालिकाओं को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और उन्हें उपहार स्वरूप नए कपड़े, पुस्तकें, कॉपियां, पेन और पेंसिल भेंट की।इस अवसर पर एसडीएम श्री राय ने कहा, हमारे क्षेत्र की बालिकाएं सदैव आगे बढ़ती रहें और समाज व देश का नाम रोशन करें, इसके लिए सेवा कार्यों के माध्यम से उन्हें हमेशा प्रोत्साहित किया जाता है। रक्षाबंधन बहन-भाई के पवित्र बंधन का अनोखा त्योहार है, जिसे आज इन नन्हीं बहनों के साथ मनाकर अत्यंत प्रसन्नता हुई। मैं अभिभावक और भाई के रूप में सदैव आपके साथ हूं, जहां भी मेरी आवश्यकता होगी, मैं आपके साथ खड़ा मिलूंगा।

कार्यालय कलेक्टर (खनि शाखा) जिला बैतूल (म.प्र.)

OFFICE E-MAIL - modgmbet@mp.gov.in Phone no. 07141-230542

क्रमांक/खनिज-1/2026/ बैतूल, दिनांक .08.2026

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 18 (1-क) के अंतर्गत

उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

प्रथम सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि, आवेदिका गीता लोखण्डे पति कृष्णा लोखण्डे निवासी घोगामा पोस्ट सिवनी तह0 भैंसदेही जिला बैतूल द्वारा निम्त क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 14.08.2026 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 21/09/2026 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in प्रस्तुत किये जायेगें:-

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

क्र.	तहसील	गांव	खसरा क्रमांक	कुल रकबा (हे0)	मे से रकबा	भूमि स्वामी
01	भैंसदेही	ठेमगांव	3/2	2.893 हे0	1.550 हे0	ख0क्र0 4/7/2 के स्वामी
02			4/2/1/2	0.636 हे0	0.636 हे0	श्री राहुल देशमुख पिता वासुदेव
03			4/5/1/2	0.640 हे0	0.640 हे0	देशमुख तथा ख0क्र0 3/2 के भूमि
04			4/6/1/2	0.337 हे0	0.337 हे0	स्वामी कृष्णा लोखण्डे पिता रामाजी
05			4/7/1/2	0.504 हे0	0.440 हे0	लोखण्डे से सहमति प्राप्त शेष खसरा
06			4/7/2	0.504 हे0	0.297 हे0	आवेदिका के स्वयं के नाम दर्ज है।
कुल :-				5.514 हे0	3.900 हे0	

1. उपरोक्त प्रस्तुत आवेदन ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालय समय सांय 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एंव प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है तो पुन: 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेगें। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के निमय 21 के तहत अधिमान्यता तय करने की आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायते स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निधारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

जी/17620/26

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें

उप संचालक (ख.प्र.)
जिला बैतूल

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा "शिवरानी भवन", क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com